कार्तिक कृष्ण - 5 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 78 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 11-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 दलितों पर अत्याचार के प्रति आंखें मूंदे हुए हैं प्रधानमंत्री : खरगे

6 आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया सोना

7 भारत दुनिया के सामने खुद पेश करे अपनी कहानी : गौतम अदाणी

फर्स्ट टेक

फिलीपीन में भूकंप के दो शक्तिशाली झटके

मनीला/एपी। दक्षिणी फिलीपीन के पास एक ही क्षेत्र में कुछ घंटों के अंतराल पर शुक्रवार को दो शक्तिशाली भूकंप के झटके आए। भूकंप का पहला झटका सुबह में महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 7.4 मापी गई। इसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। दूसरे भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 6.8 थी। फिलीपीन के ज्वालामुखी विज्ञान और भूकंप विज्ञान संस्थान के प्रमुख टेरेसिटो बैकोलकोल ने बताया कि शुक्रवार को आए भूकंप के झटके दावाओ ओरिएंटल प्रांत के मनय शहर में महसूस किये गये थे। यह भूकंप फिलीपीन गर्त (ट्रेंच) में 37 किलोमीटर की गहराई पर हुई हलचल के कारण आया था। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि यह एक अलग भूकंप था या 7.4 तीव्रता वाले भूकंप का ही एक और झटका था। हालांकि, सुनामी की चेतावनी बाद में वापस ले ली गई।

तालिबान सरकार ने काबुल पर हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया

इस्लामाबाद/एपी। तालिबान सरकार ने अफगानिस्तान की राजधानी पर हुए हमले और देश के पूर्वी हिस्से में स्थित एक बाजार में बमबारी के लिए शुक्रवार को पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया तथा अपने पड़ोसी पर राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। काबुल के अब्दुल हक स्क्वायर इलाके में बृहस्पतिवार को स्थानीय समयानुसार रात 10 बजे से पहले एक विस्फोट हुआ। कई मंत्रालयों और राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी के नजदीक स्थित इस इलाके में सुरक्षा बलों ने घेराबंदी कर दी। सरकार के मुख्य प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने घटना के बाद कहा था कि किसी के घायल होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है। उन्होंने विस्फोट को एक दुर्घटना बताया और कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

मोदी ने इजरायल-हमास शांति समझौते का किया स्वागत

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अमेरिका और अन्य देशों की मध्यस्थता से इजरायल और हमास में हुए शांति समझौते का स्वागत किया। एक सोशल मीडिया पोस्ट में मोदी ने लिखा, हम राष्ट्रपति ट्रम्प की शांति योजना के पहले चरण पर बनी सहमति का स्वागत करते हैं। यह इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सशक्त नेतृत्व का भी प्रतिबिंब है। हमें आशा है कि बंधकों की रिहाई और गाजा के लोगों को मानवीय सहायता में बढ़ोत्तरी से उन्हें राहत मिलेगी और स्थायी शांति का रास्ता साफ मार्ग प्रशस्त होगा।

11-10-2025 सूर्यास्त 6:03 बजे | 12-10-2025 सूर्योदय 6:09 बजे

BSE 82,500.82 (+328.72) | NSE 25,285.35 (+103.55)

सोना 12,783 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 167,199 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

न्यायिक बोल

न्यायमूर्ति हैं देव तुल्य,
कैसे वे दलित हुए बोलो।
वैधानिक उनके शब्द-शब्द,
कुछ कहने से पहले तोलो।
उनका अपमान नहीं उनका,
विष संविधान में मत घोलो।
कुंठाएं त्यागो जड़ता की।
भीतर की गांठों को खोलो।।

देश को बेहतर बनाना नागरिकों के हित में : भागवत

आरएसएस पूरे देश और हिंदू समाज के लिए काम करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि अपने देश का निर्माण करना और उसे बेहतर बनाना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है तथा इससे अंततः नागरिकों के ही हितों की रक्षा होती है।

भागवत ने नागपुर में एक पुस्तक के विमोचन समारोह में कहा, अपने देश का निर्माण करना और उसे बेहतर बनाना हमारा कर्तव्य है तथा ऐसा करके हम अपने ही हितों की रक्षा करते हैं। जो देश अच्छा प्रदर्शन करता है, वह सुरक्षित होता है और दुनियाभर में सम्मान हासिल करता है।

आरएसएस के उदय का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि डॉ. केशव हेडगेवार ने नागपुर में संगठन की स्थापना की, क्योंकि इस शहर में पहले से ही नि:स्वार्थ सेवा और सामाजिक जागरूकता की भावना थी। उन्होंने कहा, हालांकि, देशभर में ऐसे लोग हैं, जो हिंदुत्व पर गर्व करते हैं और हिंदुओं के बीच एकता का आह्वान करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि आरएसएस जैसा संगठन केवल नागपुर में ही आकार ले सकता था। त्याग और सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना यहां पहले से ही मौजूद थी, जिसने संघ की स्थापना में डॉ. हेडगेवार की मदद की।

भागवत ने कहा कि आरएसएस पूरे देश और हिंदू समाज के लिए काम करता है। उन्होंने कहा कि नागपुर अपने स्वयंसेवकों के दिल में खास जगह रखता है, लेकिन वह किसी विशेष दर्जे का दावा नहीं करता।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने 'स्वराज्य' प्राप्त करने की दिशा में प्रयास व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि ईश्वर, धर्म और राष्ट्र के लिए शुरू किए थे। उन्होंने कहा, जब शिवाजी महाराज ने स्वराज्य की स्थापना शुरू की, तो उन्होंने अपने मित्रों को अपने लिए नहीं, बल्कि एक बड़े उद्देश्य के लिए इकट्ठा किया। उनकी एकता की भावना ने लोगों को शक्ति प्रदान की। जब तक उनके आदर्शों ने समाज को प्रेरित किया, उस काल का इतिहास प्रगति और विकास को प्रतिबिंबित करता रहा।

नड्डा ने 'टेली मानस' ऐप पर नई सुविधाओं की शुरूआत की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि भारत मानसिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपनी तैयारियों को मजबूत कर रहा है और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक न्यायसंगत, किफायती और समावेशी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर, नड्डा ने राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (टेली मानस) के लिए कई पहल की शुरूआत की, जिसमें बहुभाषी यूआई(यूजर इंटरफेस), चैटबॉट, सुगम्यता और टेली मानस ऐप में आपातकालीन मॉड्यूल जैसे संवर्द्धन शामिल हैं। टेली मानस ऐप अब अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं के अलावा 10 क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध होगा। इन भाषाओं में असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तमिल, तेलुगु, उड़िया और पंजाबी शामिल हैं।

जयशंकर और मुत्ताकी की वार्ता

भारत का काबुल में तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा देने का फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शुक्रवार को काबुल स्थित अपने तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा देने की घोषणा की और अफगानिस्तान में अपने विकास कार्यों को फिर से शुरू करने का संकल्प जताया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत की सुरक्षा चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने के लिए अफगानिस्तान में तालिबान के शासन की सराहना भी की। जयशंकर ने यह घोषणा अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के साथ व्यापक वार्ता के दौरान की जो छह दिन की यात्रा पर बृहस्पतिवार को नई दिल्ली पहुंचे।

अगस्त 2021 में तालिबान द्वारा सत्ता हथियाने के बाद भारत ने काबुल स्थित अपने दूतावास से अधिकारियों को वापस बुला लिया था। जून 2022 में, भारत ने एक 'तकनीकी टीम' तैनात करके अफगानिस्तान की राजधानी में अपनी राजनयिक उपस्थिति फिर से स्थापित की।

बैठक में अपने उद्घाटन भाषण में जयशंकर ने सीमापार आतंकवाद को दोनों देशों के लिए साझा खतरा बताते हुए कहा कि भारत और अफगानिस्तान को आतंकवाद से निपटने के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे।

मुत्ताकी ने भारत को आश्वासन दिया कि अफगानिस्तान किसी भी तत्व को अपनी जमीन का इस्तेमाल नई दिल्ली के हितों के खिलाफ नहीं करने देगा और उन्होंने दाएश आतंकवादी समूह (आईएसआईएस) को इस क्षेत्र के लिए मुख्य चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि काबुल इस संघर्ष में सबसे आगे है। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से भारत इस बात पर जोर दे रहा है कि अफगान जमीन का इस्तेमाल किसी देख के खिलाफ किसी आतंकी गतिविधि के खिलाफ नहीं होना चाहिए।

कुछ दल घुसपैठियों को वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करते हैं : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दावा किया कि कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को वोट बैंक मानते हैं । उन्होंने सवाल भी किया कि गुजरात और राजस्थान की सीमा से घुसपैठ क्यों नहीं होती है।

शाह दैनिक जागरण अखबार के पूर्व प्रधान संपादक नरेंद्र मोहन की स्मृति में आयोजित 'घुसपैठ, जनसांख्यिकीय परिवर्तन और लोकतंत्र' विषयक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि घुसपैठ कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय मुद्दा है और लोकतंत्र के लिए खतरा है।

शाह ने कहा कि विपक्ष का कहना है कि घुसपैठ रोकना केंद्र की जिम्मेदारी है क्योंकि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) उसके नियंत्रण में है, लेकिन सीमा पर कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां भौगोलिक स्थिति के कारण बाड़ नहीं लगाई जा सकती। उन्होंने कहा, ''केंद्र अकेले घुसपैठ नहीं रोक सकता। राज्य सरकारें ऐसे घुसपैठियों को संरक्षण देती हैं, क्योंकि कुछ पार्टियां उनमें वोट बैंक देखती हैं।'' केंद्रीय गृह मंत्री ने सवाल किया कि अगर कोई व्यक्ति अवैध रूप से देश में घुस आता है और जिला प्रशासन उसकी पहचान करने में विफल रहता है, तो घुसपैठ कैसे रोकी जा सकती है? उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति शरणार्थी और घुसपैठिए के बीच का अंतर नहीं समझता, तो वह अपनी अंतरात्मा को धोखा दे रहा होता है।

शाह ने कहा कि असम में 2011 की जनगणना के अनुसार मुस्लिम जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर 29.6 प्रतिशत थी।

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ओस्लो/एपी। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को इस साल के नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की शुक्रवार को घोषणा की गई। मारिया को एक ऐसी महिला के रूप में मान्यता दी गई है, जिन्होंने गहराते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखी है।

नॉर्वे की नोबेल समिति के अध्यक्ष जॉर्गन वाल्ने फ्रिडनेस ने कहा कि वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए विपक्ष की उम्मीदवार रहीं मारिया को राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार के खिलाफ कभी गहरे तक विभाजित विपक्ष को '' एकजुट करने वाली महत्वपूर्ण शख्सियत'' के रूप में सराहा गया है।

फ्रिडनेस ने कहा, मारिया पिछले एक साल से छिपकर रहने के लिए मजबूर हैं। जान को गंभीर खतरे के बावजूद वह देश में ही हैं और इस फैसले ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा, जब अधिनायकवादी सत्ता पर कब्जा कर लेते हैं, तो आजादी की रक्षा करने वाले उन साहसी नायकों को मान्यता देना अहम हो जाता है, जो आवाज उठाते हैं और प्रतिरोध करते हैं।

फ्रिडनेस ने समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा कि समिति घोषणा से कुछ देर पहले मारिया से संपर्क करने में सफल रही थी।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को समृद्ध हिंद-प्रशांत का सह निर्माता बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया अपने रक्षा संबंधों को नये सिरे से स्थापित करने तथा सुरक्षित एवं समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र की दिशा में काम करने के लिए एक ''महत्वपूर्ण मोड़'' पर खड़े हैं।

सिडनी में आयोजित गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने आस्ट्रेलियाई व्यापार जगत के प्रमुख कारोबारियों को भारत के साथ मिलकर उन्नत प्लेटफॉर्म बनाने, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी विकसित करने तथा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने में भूमिका निभाने के लिए आमंत्रित किया। रक्षा मंत्री ऑस्ट्रेलिया की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि भारत प्रणोदन प्रौद्योगिकियों, स्वचालित 'अंडरवाटर व्हीकल' और उड़ान सिमुलेटर सहित उच्च-स्तरीय प्रणालियों के सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए ऑस्ट्रेलियाई कंपनियों का स्वागत करता है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा उद्योग व्यापार गोलमेज सम्मेलन में उन्होंने कहा, ''2020 में स्थापित हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत, हम अपने रक्षा संबंधों को न केवल साझेदारों के रूप में, बल्कि एक सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत के सह-निर्माताओं के रूप में पुनः स्थापित करने के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं।''

पाकिस्तान को नहीं दी जाएगी 'एएमआरएएएम' मिसाइल : अमेरिका

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका ने पाकिस्तान को हवा से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की नई उन्नत मिसाइल (एएमआरएएएम) की आपूर्ति करने का दावा करने वाली खबरों को झूठा करार देते हुए उनका खंडन किया है। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में स्पष्ट किया कि कार्यक्रम पर हाल ही में किए गए अनुबंध संशोधन में केवल रखरखाव और कल-पुर्जों को शामिल किया गया है, तथा इसमें नई मिसाइलों की आपूर्ति शामिल नहीं है। अमेरिका के युद्ध विभाग ने 30 सितंबर को मानक अनुबंध घोषणाओं की एक सूची जारी की, जिसमें पाकिस्तान सहित कई देशों के लिए रखरखाव और कल-पुर्जों हेतु मौजूदा विदेशी सैन्य बिक्री अनुबंध में संशोधन का उल्लेख था।

अंतरिक्ष में राष्ट्रीयता मायने नहीं रखती, बल्कि मानवता सर्वोपरि है : शुभांशु शुक्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) का दौरा करने वाले पहले भारतीय एवं वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने शुक्रवार को कहा कि जब कोई अंतरिक्ष में जाने के लिए पृथ्वी छोड़ता है, तो पृथ्वी उसकी पहचान बन जाती है। शुक्ला ने गोवा में कहा कि अंतरिक्ष में राष्ट्रीयता मायने नहीं रखती, क्योंकि मानवता सर्वोपरि है।

आईएसएस में अपने अनुभव का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष केंद्र से बाहर देखने पर ऐसा लगा जैसे किसी कार्यालय में हों, जहां से सबसे अच्छा दृश्य दिखाई दे रहा हो। शुक्ला ने कहा, यह बेहद रोमांचक था।

वह अंतरिक्ष से जुड़े एक सत्र के संबंध में भारतीय विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा परिषद से संबद्ध स्कूलों के छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

संवाद सत्र के दौरान शुक्ला ने कहा कि इस दुनिया में लोगों की अलग-अलग पहचान हो सकती है, लेकिन जब कोई अंतरिक्ष में होता है, तो वे धुंधली हो जाती हैं। उन्होंने कहा, जब आप बच्चे होते हैं और स्कूल जाते हैं, तो हमारा घर और माता-पिता हमारी पहचान बन जाते हैं। जब हम कॉलेज जाते हैं, तो कॉलेज हमारी पहचान बन जाता है। जब आप शहर छोड़कर दूसरी जगह जाते हैं, तो वह शहर आपकी पहचान बन जाता है। जब आप विदेश जाते हैं, तो आपका देश आपकी पहचान बन जाता है।

शुक्ला ने कहा, जब मैं (अंतरिक्ष मिशन के लिए) अमेरिका में प्रशिक्षण ले रहा था, तो मेरा देश मेरी पहचान था। जब आप इस ग्रह को छोड़ते हैं, तो आपका ग्रह आपकी पहचान बन जाता है। यह एक ऐसा गहरा एहसास होता है कि पूरी पृथ्वी ही आपका घर है। उन्होंने कहा, आप किसी खास महाद्वीप, किसी खास देश, किसी खास क्षेत्र या जहां आप रहते हैं, उस पर ध्यान केंद्रित नहीं करते। आप बस पृथ्वी को देखते हैं और कहते हैं, मैं यहीं रहता हूं'। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में राष्ट्रीयता मायने नहीं रखती, क्योंकि मानवता सर्वोपरि है।

शुक्ला ने उस प्रसिद्ध पंक्ति ''सारे जहां से अच्छा'' को याद किया, जो भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से कही थी।

अनुसंधानकर्ताओं ने एक दूसरे की परिक्रमा कर रहे दो 'ब्लैक होल' की पहली बार तस्वीर ली

नई दिल्ली/भाषा। खगोलविदों ने एक दूसरे की परिक्रमा कर रहे दो 'ब्लैक होल' की तस्वीर लेने में सफलता प्राप्त की है। इन तस्वीरों के आधार पर यह संभावना जताई गई है कि ब्लैक होल जोड़े में भी मौजूद हो सकते हैं। 'ब्लैक होल' अंतरिक्ष में स्थित एक ऐसा क्षेत्र है जिसका गुरुत्वाकर्षण इतना तीव्र होता है कि प्रकाश भी वहां से बाहर नहीं निकल सकता।

फिनलैंड के तुर्कू विश्वविद्यालय और नैनीताल के आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एआरआईईएस) के अनुसंधानकर्ताओं सहित अंतरराष्ट्रीय टीम ने 'ओजे287' नामक 'क्वासर' के केंद्र में हर 12 साल में, एक दूसरे की परिक्रमा करने वाले ब्लैक होल की तस्वीर खींची है। इसे 'द एस्ट्रोफिजिकल' पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

'क्वासर' एक अत्यंत चमकीला आकाशगंगा केंद्र है। इसका प्रकाश तब उत्पन्न होता है जब आकाशगंगा के केंद्र में स्थित सूर्य के द्रव्यमान से लाखों से लेकर अरबों गुना अधिक द्रव्यमान वाला एक अतिविशाल 'ब्लैक होल' अपने आसपास की गैस और धूल को निगल जाता है।

अनुसंधान पत्र के प्रथम लेखक और तुर्कू विश्वविद्यालय के मौरी वाल्टोनन ने बताया, क्वासर 'ओजे287' इतना चमकीला है कि इसे निजी दूरबीनों से शौकिया खगोलविद भी देख सकते हैं। 'ओजे287' के बारे में विशेष बात यह है कि ऐसा माना जाता है कि इसमें एक नहीं, बल्कि दो ब्लैक होल हैं जो बारह साल की कक्षा में एक-दूसरे की परिक्रमा करते हैं।

रूस के हवाई हमलों में यूक्रेन की राजधानी में भारी नुकसान, कम से कम नौ लोग घायल

कीव/एपी। रूस द्वारा शुक्रवार तड़के यूक्रेन में किए गए हवाई हमलों में कम से कम नौ लोग घायल हो गए, आवासीय इमारतों को नुकसान पहुंचा और यूक्रेनी राजधानी के कई हिस्सों में बिजली गुल हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बचाव दल ने 17 मंजिला एक इमारत से 20 से ज्यादा लोगों को बाहर निकाला क्योंकि छठी और सातवीं मंजिल पर आग की लपटें फैल गई थीं। अधिकारियों ने बताया कि पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य को घटनास्थल पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। रात भर चला यह हमला कीव पर हमलों की कड़ी में नवीनतम है। रूसी सेना ने हाल के महीनों में यूक्रेनी शहरों पर ड्रोन और मिसाइल हमलों को बढ़ा दिया है। कीव के मेयर विताली क्लित्स्को ने कहा कि शुक्रवार के हमले से शहर के दोनों ओर बिजली गुल हो गई और पानी की आपूर्ति बाधित हो गई।

श्रीनगर में आतंकवादियों के सहयोगियों के परिसरों पर छापेमारी

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शुक्रवार को श्रीनगर में कई स्थानों पर प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े आतंकवादियों के सहयोगियों के परिसरों पर छापेमारी की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादी तंत्र को ध्वस्त करने और गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत श्रीनगर की पुलिस ने शहर में कई स्थानों पर व्यापक रूप से छापे मारे। उन्होंने कहा कि गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत चल रही जांच के सिलसिले में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़े आतंकवादियों के सहयोगियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के आवासों पर तलाशी ली गई। प्रवक्ता ने बताया कि समन्वित तलाशी अभियान श्रीनगर के विभिन्न क्षेत्रों में चलाए गए, जिनमें आतंकवाद संबंधी गतिविधियों में सहायता करने या उन्हें बढ़ावा देने में शामिल व्यक्तियों को निशाना बनाया गया।

कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है, उन्हें समझाया जाए सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति : उद्धव

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि कुछ लोगों ने ''अपनी आंखों पर पट्टी बांध रखी है'' और उन्हें यह समझाना ज़रूरी है कि सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति क्या होती है। वह यहां उपनगरीय बांद्रा स्थित अपने घर 'मातोश्री' के बाहर कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के स्वागत में लगाए गए बैनरों पर उनकी तस्वीर को लेकर कटाक्ष किया और कहा कि मंत्री अपने प्रचार के प्रति जुनूनी हैं। शिंदे शिवसेना के प्रमुख हैं। ठाकरे ने कहा, क्या आप (शिंदे) उनके (स्टार्मर) क़रीब भी पहुंच पाए? वे आत्म-प्रचार में मुग्ध हैं। भारतीय जनता पार्टी पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा, सच्ची देशभक्ति और हिंदुत्व को समझाना ज़रूरी है। कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसान हताश हैं और सरकार ने उनके लिए छल का पैकेज घोषित किया है।

ईडी ने 100 करोड़ रुपए के साइबर धोखाधड़ी मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने साइबर अपराध के कई मामलों में धनशोधन की जांच के तहत गुजरात में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। ईडी ने एक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी। साइबर अपराध के इन मामलों में लोगों से कथित तौर पर 100 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी की गई। ईडी के सूरत उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मकबूल अब्दुल रहमान 'डॉक्टर, काशिफ मकबूल 'डॉक्टर, महेश मफतलाल देसाई और ओम राजेंद्र पांड्या को हिरासत में लिया है। आरोप है कि मकबूल 'डॉक्टर, उसके बेटे काशिफ मकबूल 'डॉक्टर' और बासम मकबूल 'डॉक्टर' के अलावा देसाई, पांड्या और कुछ अन्य लोगों ने विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के जरिए लोगों के साथ ''ठगी'' की थी। ईडी ने बयान में कहा कि आरोपियों ने ''अपराध से अर्जित आय'' एकत्रित करने के लिए अपने कर्मचारियों, सहयोगियों और कुछ लोगों के नाम पर बैंक खाते खोले। बयान के अनुसार ''अपराध से अर्जित आय'' 100 करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है।

आंध्र प्रदेश में एक फैक्ट्री में आग लगने से 550 करोड़ रुपए का तंबाकू जलकर खाक

सिंगारयाकोंदा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में एक तंबाकू फैक्ट्री में शुक्रवार तड़के लगी भीषण आग में 550 करोड़ रुपए मूल्य का तंबाकू नष्ट हो गया। पुलिस के अनुसार, फैक्टरी प्रबंधन ने दावा किया है कि तड़के फैक्टरी के 'ए' और 'बी' ब्लॉक में लगी आग में लगभग 11,000 टन तंबाकू जलकर खाक हो गया। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, प्रकाशम जिले में तंबाकू कारखाने में लगी भीषण आग में लगभग 550 करोड़ रुपए का तंबाकू जलकर खाक हो गया। आग पर काबू पा लिया गया है। प्रकाशम जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) वी हर्षवर्धन राजू ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ घटना की समीक्षा की तथा उन्हें आग के कारणों का पता लगाने और जल्द से जल्द एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने फैक्टरी अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह शॉर्ट सर्किट के कारण हुआ। हालांकि, सटीक कारण का पता लगाने और दावा किए गए नुकसान की पुष्टि के लिए जांच जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने भारत में एआई और फिनटेक निवेश के साथ अपनी यात्रा का समापन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने भारत में एआई और फिनटेक निवेश के साथ अपनी यात्रा का समापन किया

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने कहा है कि उन्होंने अपनी भारत यात्रा के दौरान हजारों नौकरियों के अवसर सुनिश्चित किए, जिसमें ब्रिटेन की कई कंपनियों ने एआई और फिनटेक क्षेत्रों में 3.6 अरब पाउंड के निवेश की पुष्टि की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ व्यापक वार्ता के बाद बृहस्पतिवार को अपनी मुंबई यात्रा संपन्न करने वाले स्टार्मर ने कहा कि इस यात्रा से ब्रिटेन को जुलाई में हस्ताक्षरित व्यापक व्यापार और आर्थिक समझौते (सीईटीए) द्वारा उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिली है। उन्होंने महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते के बाद भारत में ब्रिटेन के व्यवसायों के लिए और अधिक अवसर की उम्मीद जताई। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस समझौते से शुल्क (टैरिफ) कम हो जाएंगे और व्यापार तेज, सस्ता और आसान हो जाएगा।

स्टार्मर ने अपनी भारत यात्रा के समापन पर एक बयान में कहा, 125 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ, हमने इस सप्ताह भारत के साथ अपने व्यापार समझौते से उत्पन्न अवसरों का पूरा लाभ उठाया है। उन्होंने कहा, हमने ब्रिटेन में नए निवेश हासिल किए हैं और पूरे देश में, हमारे कुछ सबसे फलते-फूलते उद्योगों में 10,600 नौकरियां के अवसर पैदा होंगे। हमने भारत में ब्रिटेन के व्यवसाय के लिए नए द्वार खोले हैं और साझेदारियों को मज़बूत किया है। हमारा दूरदर्शी और गौरवपूर्ण दृष्टिकोण वास्तविक बदलाव ला रहा है, जिसे लोग देश भर में अपने समुदायों में देखेंगे।ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने रेखांकित किया कि ब्रिटेन की कंपनियों द्वारा किए गए कुछ प्रमुख निवेशों में सॉफ्टबैंक समूह का हिस्सा ग्राफकोर भी शामिल है, जो बेंगलूरू में एक नए एआई इंजीनियरिंग परिसर में एक अरब पाउंड तक का निवेश करेगा, जिससे भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग में 500 उच्च कौशल वाली नौकरियां पैदा होंगी।

संजय सेठ ने अपने ब्रिटिश समकक्ष वर्नोन कोकर के साथ रक्षा संबंधों की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और उनके ब्रिटिश समकक्ष वर्नोन कोकर ने शुक्रवार को मौजूदा रक्षा संबंधों की समीक्षा की और दोनों देशों के बीच सहयोग को और प्रखाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों के बीच यह बैठक ऐसे समय हुई जब ब्रिटेन का कैरियर स्ट्राइक ग्रुप (सीएसजी) भारत आया है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया, बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने मौजूदा रक्षा सहयोग की समीक्षा की और भारत और ब्रिटेन के बीच सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। यह बैठक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के बीच वित्तीय राजधानी मुंबई में व्यापक चर्चा के एक दिन बाद हुई है।

सेठ ने कहा कि ब्रिटिश नौसेना के विमान वाहक पोत 'एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स' के नेतृत्व में सीएसजी ने भारत के पश्चिमी तट पर भारतीय नौसेना के साथ द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास केओएनकेएएन-25 के समुद्री चरण को सफलतापूर्वक पूरा किया। सीएसजी वर्तमान में मुंबई और गोवा में बंदरगाह चरण की गतिविधियों में संलग्न है। सेठ ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के अभ्यास परिचालन दर्शन की आपसी समझ को बढ़ाते हैं और दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

बैठक के दौरान, दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की तथा उपकरणों के निर्माण में भारत की बढ़ती क्षमताओं और 'आत्मनिर्भरता' को बढ़ावा देने वाली स्वदेशी प्रणालियों के विकास के बारे में चर्चा की।

गूगल तीन साल में डेटा सेंटर, कृत्रिम मेधा परियोजनाओं में 88,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नेल्लोर/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को घोषणा की कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी गूगल विशाखापत्तनम में डेटा केंद्रों और कृत्रिम मेधा (एआई) परियोजनाओं में तीन साल में 88,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह स्वतंत्र भारत में वित्तीय सुधारों की शुरुआत के बाद से अब तक का सबसे बड़ा निवेश होगा। नायडू ने इसे एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम बताया। उन्होंने एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा, हमने गूगल के डेटा केंद्रों और एआई परियोजनाओं को अंतिम रूप दे दिया है। भारत में हाल में वित्तीय सुधारों के बाद आने वाले तीन वर्षों में विशाखापत्तनम में लगभग 10 अरब डॉलर यानी करीब 88,000 करोड़ रुपए का एकल निवेश किया जा रहा है। गूगल की अनुषंगी कंपनी रैडेन इन्फोटेक इंडिया लि. यह निवेश करेगी, जिसके तहत विशाखापत्तनम में तारलुवाड़ा, अदाविवरम और रामबिल्ली में तीन परिसर विकसित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत को मुख्यधारा में लाने पर जोर दिया

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर अपने संदेश में एक ऐसा माहौल बनाने का आह्वान किया जहां मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत अधिक से अधिक मुख्यधारा में आए। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस इस बात की पुरजोर याद दिलाता है कि मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र कल्याण का एक मूलभूत हिस्सा है। उन्होंने कहा, तेज गति से भागती दुनिया में, यह दिन दूसरों के प्रति करुणा दिखाने और उसे बढ़ाने के महत्व को रेखांकित करता है।

मोदी ने लिखा, आइए हम सामूहिक रूप से ऐसा माहौल बनाने के लिए काम करें जहां मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत ज्यादा से ज्यादा मुख्यधारा में आए। इस क्षेत्र में काम करने वाले और दूसरों को स्वस्थ होने और खुशी पाने में मदद करने वाले सभी लोगों को मेरी बधाई।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का समग्र उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरुकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयासों को गति देना है।

ट्रंप ने 'ऑपरेशन सिंदूर' रुकवाने के दावे का अर्द्धशतक लगायाः कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराने के दावे का अर्धशतक लगा चुके हैं और उन्हें शतक लगाने में भी ज्यादा समय नहीं लगेगा।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि ट्रंप ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ अपनी बैठक के दौरान फिर दावा किया कि उन्होंने व्यापार और 'टैरिफ' को ब्रह्मास्त्र के रूप में उपयोग करके 'ऑपरेशन सिंदूर' को रोक दिया। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल पूरा दिन ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से बात की और राष्ट्रपति ट्रंप की प्रशंसा में संदेश पर संदेश भेजे। निस्संदेह, वह इस दौरान गाजा में नरसंहार के लिए जिम्मेदार व्यक्ति यानी इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करना नहीं भूले।

उन्होंने कहा, लेकिन कल ही वो दिन था जब राष्ट्रपति ट्रंप ने, फ़िनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ अपनी मुलाक़ात के दौरान, व्यापार और टैरिफ को अपना ब्रह्मास्त्र बनाकर ऑपरेशन सिंदूर रोकने के अपने दावे का अर्धशतक पूरा किया। इस मामले में राष्ट्रपति ट्रंप लगातार, जिद्दी और दृढ़ रहे हैं। और जल्द ही उन्हें शतक पूरा करने में भी देर नहीं लगेगी।

चरणबद्ध तरीके से एसआईआर की तैयारी, अगले साल चुनावी राज्यों से हो सकती है शुरुआत

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग पूरे देश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद को चरणबद्ध तरीके से शुरू कर सकता है और इसकी शुरुआत उन कुछ राज्यों से होगी जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

साथ ही आयोग उन राज्यों में मतदाता सूची को दुरुस्त नहीं करेगा, जहां स्थानीय निकाय चुनाव हो रहे हैं या होने वाले हैं, क्योंकि जमीनी स्तर की चुनावी मशीनरी इसमें व्यस्त है और संभवतः एसआईआर पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएगी। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 में होने हैं। इन चार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के अलावा, पहले चरण में कुछ अन्य राज्यों में भी मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कराया जा सकता है।

बिहार में मतदाता सूची को दुरुस्त करने का काम पूरा हो चुका है, जहां 30 सितंबर को लगभग 7.42 करोड़ नामों वाली अंतिम सूची प्रकाशित की गई थी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बीते सोमवार को कहा था कि सभी राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया को काम जारी है और इसे शुरू करने पर अंतिम निर्णय आयोग द्वारा लिया जाएगा।

सिविल इंजीनियर गुणवत्तापूर्ण निर्माण का प्रयास करें, नवाचार अपनाएं : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को अभियंताओं से कहा कि वे 'चल जाता है' का रवैया छोड़ दें और गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए प्रयास करें, क्योंकि यह उनकी कार्य नीति से जुड़ा है। उन्होंने यहां इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स द्वारा आयोजित फोरेंसिक सिविल इंजीनियरिंग पर अखिल भारतीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सड़क और भवन निर्माण में 'प्री-कास्टिंग' (पहले ही ढांचा ढाल कर उसे निर्माण स्थल पर स्थापित करना) की वकालत की। गडकरी ने कहा कि एक बार डिजाइन पैटर्न तैयार हो जाए तो लागत कम हो जाएगी और गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बहुत प्रगति हो रही है, खासतौर पर सिविल इंजीनियरिंग में। अभियंताओं को सुनिश्चित करना चाहिए कि कार्य घटिया गुणवत्ता का न हो क्योंकि यह उनकी कार्य की नैतिकता से जुड़ा है। हमें उत्पादन लागत कम करने और निर्माण की गुणवत्ता में सुधार करने की आवश्यकता है। उन्होंने साथ ही सरकारी सिविल कार्यों से जुड़े अभियंताओं के एक वर्ग से 'चल जाता है' दृष्टिकोण को त्यागने का आह्वान किया। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने पुल ढहने की घटनाओं पर चिंता जताते हुए निवारक उपाय करने के लिए इस पहलू पर अनुसंधान की आवश्यकता को रेखांकित किया।

गडकरी ने बिहार में इस तरह की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि खामियों का पता लगाने के लिए ऑडिट होना चाहिए और जो लोग 'दुर्भावनापूर्ण' गलतियां करते हैं उन्हें बर्खास्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, सरकारी संस्थानों और निजी ठेकेदारों द्वारा विश्व मानकों पर सफल पद्धतियों को स्वीकार करने की आवश्यकता है। भविष्य में सिविल इंजीनियरिंग के विकास में पूर्णता की ओर बढ़ना बहुत महत्वपूर्ण है। गुणवत्ता और नई तकनीकों के साथ कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स से सड़क और भवन निर्माण में 'प्री-कास्टिंग' को प्राथमिकता देने का आग्रह करते हुए कहा, एक बार डिजाइन पैटर्न तैयार हो जाए तो निर्माण की लागत कम हो जाएगी और गुणवत्ता भी बेहतर होगी। जो दुर्घटनाएं होती रहती हैं, वे भी नहीं होंगी।

भारत का अपना स्वदेशी एआई मॉडल फरवरी तक हो जाएगा तैयार : इलेक्ट्रॉनिक्स सचिव

नई दिल्ली/भाषा। भारत का स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा अपना कृत्रिम मेधा (एआई) मॉडल अगले साल फरवरी में होने वाले 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' से पहले तैयार हो जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।कृष्णन ने यहां आयोजित 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि एआई क्षेत्र में देर से प्रवेश करने के बावजूद भारत ने अपनी कंप्यूटिंग अवसंरचना को तेजी से बढ़ाया है और 10,000 जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) के लक्ष्य के मुकाबले 38,000 जीपीयू की तैनाती की है। उन्होंने कहा, भारत अपने आधारभूत मॉडल तैयार कर रहा है। वर्ष के अंत तक हमें अपना पहला पूरी तरह भारतीय आधारभूत मॉडल मिलने की उम्मीद है। इंडिया एआई समिट होने तक भारत का स्वायत्त मॉडल पेश कर देने की योजना है। स्वायत्त एआई मॉडल भारत में विकसित ऐसा स्वदेशी एआई तंत्र होगा जो पूरी तरह भारतीय डेटा पर प्रशिक्षित होगा और देश के भीतर स्थित सर्वरों पर ही संचालित किया जाएगा। सरकार ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' का आयोजन 19-20 फरवरी को करने की घोषणा की है। कृष्णन ने कहा कि सरकार एआई के संभावित प्रभावों को लेकर सतर्क है और ऐसे मंच विकसित करना चाहती है जो समावेशी हों।

कृषि योजनाओं की शुरुआत करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां कृषि क्षेत्र के लिए 35,440 रुपए के व्यय वाली 'पीएम धन धान्य कृषि योजना' समेत दो बड़ी योजनाएं शुरू करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि वह यहां भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) के एक 'विशेष' कार्यक्रम में भाग लेंगे और किसानों के साथ बातचीत भी करेंगे। इसमें कहा गया है कि यह कार्यक्रम किसान कल्याण, कृषि आत्मनिर्भरता और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को बताता है।

पीएम धन धान्य कृषि योजना का परिव्यय 24,000 करोड़ रुपए है। इसका उद्देश्य कृषि उत्पादकता को बढ़ाना, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना, पंचायत और प्रखंड स्तर पर फसल कटाई बाद के भंडारण को बढ़ाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार करना और 100 चयनित जिलों में दीर्घकालिक और अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाना है।

बयान में कहा गया है कि मोदी 11,440 करोड़ रुपए के व्यय के साथ दलहन में 'आत्मनिर्भरता मिशन' भी शुरू करेंगे।

इसका उद्देश्य दालों की उत्पादकता के स्तर में सुधार करना, दालों की खेती के रकबे का विस्तार करना, मूल्य श्रृंखला - खरीद, भंडारण, प्रसंस्करण - को मजबूत करना और घाटे में कमी सुनिश्चित करना है।

वह कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में 5,450 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे, जबकि लगभग 815 करोड़ रुपए की अतिरिक्त परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।

प्रधानमंत्री जिन परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, उनमें बेंगलूरु और जम्मू-कश्मीर में कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण केंद्र, राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत असम में एक आईवीएफ प्रयोगशाला, मेहसाणा, इंदौर और भीलवाड़ा में दूध पाउडर संयंत्र और तेजपुर में प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत मछली चारा संयंत्र शामिल हैं।

कार्यक्रम के दौरान, मोदी राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत प्रमाणित किसानों, एमएआईटीआरआई तकनीशियनों और प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) और सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) में परिवर्तित प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियों (पीएसीएस) को प्रमाण पत्र वितरित करेंगे।

बयान में कहा गया है कि मोदी दलहन की खेती में लगे किसानों के साथ बातचीत करेंगे, जिन्हें कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन में मूल्य श्रृंखला-आधारित दृष्टिकोण स्थापित करने के उद्देश्य से विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभ हुआ है।

जनता कर्जमाफी के चक्कर में रहती है, नेता चुनावी जीत के लिए वादे कर देते हैं : महाराष्ट्र के मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के सहकारिता मंत्री बाबासाहेब पाटिल ने अपनी कथित टिप्पणी से विवाद खड़ा कर दिया है कि लोग कर्जमाफी के प्रति लालायित रहते हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि राजनेता चुनाव जीतने के लिए वादे करते हैं।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विधायक एवं राज्य सरकार के मंत्री ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान यह टिप्पणी की। उनके भाषण के कुछ अंश क्षेत्रीय समाचार चैनलों पर प्रसारित किए जा रहे हैं, लेकिन कार्यक्रम का समय और स्थान स्पष्ट नहीं है।

पाटिल की टिप्पणी की सत्तारूढ़ सहयोगियों सहित विभिन्न हलकों से आलोचना हुई।

भाजपा नेता और मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि किसी को भी कर्जमाफी के मुद्दे पर हल्के-फुल्के बयान नहीं देने चाहिए क्योंकि राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण किसान गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।

पाटिल ने भाषण के दौरान कहा, लोग कर्जमाफी के प्रति लालायित रहते हैं। हम (नेता) चुनाव जीतना चाहते हैं, इसलिए हम चुनाव के दौरान आश्वासन देते हैं। लेकिन, यह जनता को तय करना है कि वे वास्तव में क्या मांगना चाहते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को यह तय करना होगा कि वे वोट मांगने आने वाले नेताओं से असल में क्या मांगना चाहते हैं। पाटिल ने कहा, चुनाव के दौरान, एक नेता एक गांव में आए, और लोगों ने कहा - 'जो भी हमारे गांव में नदी लाएगा, हम उसे वोट देंगे। अब, क्या उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि वे क्या मांग रहे हैं? तब नेता ने कहा - 'ठीक है, हम आपको एक नदी भी देंगे। इसलिए मैं कहता हूं कि लोगों को सोच-समझकर तय करना चाहिए कि वे क्या मांग रहे हैं। उन्होंने कहा, हम (नेता) वादे इसलिए करते हैं क्योंकि हम चुनाव जीतना चाहते हैं, लेकिन इन सभी बातों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

पाटिल की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, राजस्व मंत्री बावनकुले ने कहा कि किसी को भी ऋण माफी के मुद्दे पर हल्की-फुल्की टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

बेंगलूरु में शुक्रवार को ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) की बैठक में मंचासीन जीबीए अध्यक्ष और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उप-अध्यक्ष उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ।

जीबीए की पहली बैठक, विपक्ष ने किया बायकॉट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) की पहली बैठक 10 अक्टूबर को ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकार परिसर के कैम्पेगौड़ा नगर सभागार में आयोजित की गई। जीबीए के अध्यक्ष मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपाध्यक्ष उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जीबीए के मुख्य आयुक्त महेश्वर राव की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में बेंगलूरु के जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया। बेंगलूरु दुनिया का सबसे तेज़ी से बढ़ता शहर है। दुनिया के कई देशों के लोगों ने न केवल यहाँ निवेश किया है, बल्कि अपना जीवन भी बसाया है। आज बेंगलूरु की आबादी लगभग 1.40 करोड़ है। इस बात पर चर्चा हुई कि इतने बड़े शहर का समुचित प्रशासन सिर्फ़ एक निगम द्वारा नहीं किया जा सकता।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि जब मैं पहले मुख्यमंत्री था, तब मैंने बेंगलूरु में और निगम बनाने की संभावनाओं पर रिपोर्ट देने के लिए एक समिति बनाई थी। समिति ने एक अंतरिम रिपोर्ट भी दी थी। लेकिन बाद की सरकारों में इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया। सत्ता में आने के बाद, हमने समिति का पुनर्गठन किया। अब, जनता के सुझावों और आपत्तियों को स्वीकार करते हुए, हमने एक कानून बनाकर ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी का गठन किया है। अब, पाँच नगर निगम अस्तित्व में आ गए हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी 15 मई से अस्तित्व में आई है। हमने लोकतंत्र की आकांक्षाओं के अनुरूप जनता के अनुकूल और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने वाला प्रशासन प्रदान करने के उद्देश्य से ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी का गठन किया है। इससे सत्ता का विकेंद्रीकरण संभव होगा। ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी आने वाले दिनों में बेंगलूरु के नागरिकों को आवश्यक बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करे, जैसे कचरा निपटान की उचित व्यवस्था, यातायात की भीड़ कम करना, और सड़क व सीवेज व्यवस्था को बेहतर बनाना। हमने बेंगलूरु शहर को स्वच्छ रखने, शहर की सुंदरता बढ़ाने और सभी पाँचों नगर निगमों की आय बढ़ाने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इन सभी कार्यों के लिए सरकार के साथ समन्वय आवश्यक है। आने वाले दिनों में, बेंगलूरु के नागरिकों को सेवाएँ प्रदान करने वाले सभी संबंधित विभाग, संस्थान जैसे बीडीए, बीडब्ल्यूएसएसबी, बीईएसकॉम, बीएमआरसीएल, जीबीए के साथ समन्वय में काम करें।

मुख्यमंत्री ने बताया कि हमने बैठक में पाँचों नगर निगमों के लिए पर्याप्त प्रशासनिक कार्यालय बनाने हेतु स्थान की पहचान करने और निर्माण हेतु कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। संबंधित निगमों को अपने स्तर पर कचरा निपटान की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। सभी नगर आयुक्तों को अपने अधिकार क्षेत्र में कर संग्रह बढ़ाना चाहिए। कचरा निपटान और स्वच्छता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। फुटपाथों को यथासंभव चौड़ा बनाया जाना चाहिए। किसी भी कारण से गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। यदि अधिकारी ठेकेदारों के साथ मिले हुए हैं, तो गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं हो सकता। हमने निर्देश दिए हैं कि ऐसा न होने दिया जाए।

शहर में यातायात की भीड़भाड़ कम करने के लिए मेट्रो लाइन पर अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी बढ़ाने की योजना बनाने और उसे लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। परिवहन मंत्री को इसके लिए छोटी बसों की तैनाती की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी के गठन के पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं है। आने वाले दिनों में लोगों को सर्वोत्तम नागरिक सुविधाएँ और सुशासन प्रदान करने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए सभी को समन्वय से काम करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को यहाँ खुलकर अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। लेकिन कुछ जनप्रतिनिधियों ने यह अवसर गँवा दिया है। बेंगलूरु के विकास के विरोधियों और सत्ता के विकेंद्रीकरण के विरोधियों ने इस बैठक का बहिष्कार किया है।

बिहार चुनाव के बाद निष्कर्ष पर पहुंचेगा कर्नाटक में राजनीतिक घटनाक्रम : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में पहले से चल रहे कई राजनीतिक घटनाक्रमों के बिहार विधानसभा चुनाव के बाद तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचने की उम्मीद है। विजयेंद्र ने सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री पद पर संभावित बदलाव के बारे में उठ रही आवाजों का हवाला देते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि हालिया घटनाक्रम से संकेत मिलता है कि सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है और पार्टी के सदस्य स्वयं नवंबर में राजनीतिक बदलावों को गति मिलने का संकेत दे रहे हैं। नवंबर में कांग्रेस सरकार के पांच साल में से ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने पर राज्य में नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तेज हो गयी हैं। कुछ लोग इसे नवंबर क्रांति का नाम दे रहे हैं। विजयेंद्र ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''सत्तारूढ़ पार्टी के मंत्रियों और विधायकों की प्रतिक्रियाओं से यह स्पष्ट हो जाता है कि कांग्रेस पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं है। बिहार चुनाव के बाद राज्य में शुरू हो चुके कई राजनीतिक घटनाक्रम अपने तार्किक अंत तक पहुंच जाएंगे। सत्तारूढ़ दल के लोग स्वयं इस बारे में बात कर रहे हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या नवंबर में राजनीतिक घटनाक्रम में तेजी आने के संकेत हैं उन्होंने कहा, ''सत्ताधारी दल के लोग खुद ही संकेत दे रहे हैं। हम तो छह महीने से यही कह रहे हैं। क्या इससे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर खतरा मंडराएगा या किसी और के लिए सौभाग्य की बात होगी, देखते हैं।''

बेंगलूरु के मणिपाल अस्पताल में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के स्वास्थ्यक्षेम की जानकारी लेते हुए आदिचुंचनगिरी ने प्रमुख श्री निर्मलानंदजी स्वामी।

पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा की हालत में हो रहा सुधार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बुखार और मूत्र मार्ग में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा की हालत में सुधार हुआ है। अस्पताल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि जनता दल (एस) संस्थापक देवेगौड़ा (92) की फिलहाल सामान्य वार्ड में निगरानी की जा रही है।

मणिपाल हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. एच. सुदर्शन बल्लाल द्वारा जारी मेडिकल बुलेटिन में कहा गया है, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा को बुखार और मूत्र मार्ग में संक्रमण की जांच के लिए गत छह अक्टूबर को ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। विशेषज्ञों की एक टीम ने उनका इलाज किया और उनकी स्वास्थ्य स्थिति में सुधार हुआ है। वर्तमान में उनकी हालत स्थिर है तथा उन्हें सामान्य वार्ड में रखा गया है।

श्री आदिचुंचनगिरी मठ के निर्मलानंदनाथ स्वामीजी ने शुक्रवार को अस्पताल में गौड़ा का हालचाल जाना। देवेगौड़ा राजनीतिक रूप से सक्रिय रहे हैं और उन्होंने तीन अक्टूबर को यहां पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित भी किया था।

बेंगलूरु और चेन्नई सेंट्रल के बीच दीपावली स्पेशल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/चेन्नई। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने दीपावली त्यौहार के मद्देनजर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ कोकम करने के लिए ट्रेन संख्या 06255/06256 केएसआर बेंगलूरु-डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-केएसआर बेंगलूरु एक्सप्रेस विशेष ट्रेन के तीन फेरे लगाने का निर्णय लिया है।

ट्रेन नंबर 06255 केएसआर बेंगलूरु-डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस विशेष ट्रेन 18 , 21 और 25 अक्टूबर (शनिवार और मंगलवार) को केएसआर बेंगलूरु से 08.05 बजे रवाना होगी और उसी दिन 14.45 बजे डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन सं. 06256 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-केएसआर बेंगलूरु एक्सप्रेस विशेष ट्रेन 18 , 21 और 25 अक्टूबर (शनिवार और मंगलवार) को 16.30 बजे डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से रवाना होगी। इस ट्रेन में एक एसी टू टियर कोच, एक एसी थ्री टियर कोच,11 स्लीपर क्लास कोच, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच और 2 द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) कोच होंगे।

'राजभाषा में काम करने में गौरव समझें, देश की उन्नति में योगदान दें'

हंपी/दक्षिण भारत। भारतीय खाद्य निगम के क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु ने शुक्रवार को कर्नाटक महाप्रबंधक बीओ महेश्वरप्पा की अध्यक्षता में संवर्ग एक अधिकारियों के लिए हंपी में क्षेत्रीय राजभाषा सेमिनार का आयोजन का किया। इसका शुभारंभ महेश्वरप्पा के साथ उप महाप्रबंधक (क्षेत्र) शेखर अरविंद, उप महाप्रबंधक (संचालन) रमेश नायक, उप महाप्रबंधक (वित्त व लेखा) उदयबीर सिंह ने किया। स.म.प्र. (राजभाषा) पीके बिहारी ने स्वागत भाषण दिया। बीओ महेश्वरप्पा ने कहा कि राजभाषा अधिनियम एवं नियम का पालन करने के लिए कर्नाटक क्षेत्र के सभी कार्यालय प्रतिबद्ध हैं। शेखर अरविंद ने सभी अधिकारियों से अपील की कि वे राजभाषा में काम करने में गौरव समझें और उसमें अपनी पहचान बनाकर देश की उन्नति में योगदान दें। कर्नाटक क्षेत्र के मंडल कार्यालयों में वर्ष 2024-25 के दौरान उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन करने के लिए मंडल कार्यालय, मैसूरु को प्रथम राजभाषा शील्ड और प्रशस्ति पत्र तथा मंडल कार्यालय, रायचूर को द्वितीय राजभाषा शील्ड और प्रशस्ति पत्र दिए गए। प्रथम सत्र में सभी कार्यालयों में हिंदी कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। द्वितीय सत्र में संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली पर प्रकाश डाला गया। तीसरे सत्र में वार्षिक कार्यक्रम, प्रोत्साहन योजना, राजभाषा अधिनियम एवं नियम के बारे में जानकारी दी गई। चौथे सत्र में आईटी टूल्स, कंठस्थ 2.0 एवं ई-ऑफिस में हिंदी कार्यान्वयन विषय पर चर्चा की गई। रायचूर मंडल प्रबंधक तपस रंजन सेठी ने धन्यवाद दिया।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094182, 4541 फैक्स : 080-28094180

संशोधन-I दिनांक 10.10.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित आमंत्रित की जाती हैं।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/सीओएन/ईटीएन-41 2025-26 दिनांक 18.09.2025
कार्य का नाम	सब-स्टेशन का उन्नयन, एससीसी, इस्ट्रैक, बेंगलुरु में सामान्य आपूर्ति एमवी सहायक पैनलों का प्रतिस्थापन और संवर्धन (द्वितीय कॉल)
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 26.44 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	चार (04) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	19.09.2025 को 16.00 बजे से 04.10.2025 को 16.00 तक जिसे अब 19.10.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया
बोली स्पष्टीकरण	20.09.2025 को 11.00 बजे से 07.10.2025 को 16.00 तक जिसे अब 20.10.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	08.10.2025 को 16.00 बजे तक जिसे अब 21.10.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	09.10.2025 को 16.00 बजे तक जिसे अब 22.10.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	10.10.2025 को 11.00 बजे से जिसे अब 24.10.2025 को 11.00 बजे से किया गया
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 52,880/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

राष्ट्रमंडल संसदीय बैठक

एक द्वीप राष्ट्र पूर्वी कैरिबियन में ब्रिटिश राष्ट्रमंडल गणराज्य बारबाडोस की राजधानी ब्रिजटाउन में आयोजित होने वाले 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन के अवसर पर, कर्नाटक विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज एस. होराट्टी और कर्नाटक विधान सभा के अध्यक्ष यू.टी. खादर फरीद ने बारबुडा की प्रधानमंत्री मिया अमोर मुटले से मुलाकात की। इस अवसर पर भारतीय क्षेत्र के राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के प्रतिनिधि के रूप में भाग ले रहे राज्य लोकसभा सदस्य डॉ. के. सुधाकर और अन्य उपस्थित थे।

कर्नाटक मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच परमेश्वर ने मंत्रियों के साथ बैठक को नहीं दी तवज्जो

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंत्रिमंडल में फेरबदल और मुख्यमंत्री पद पर बदलाव की अटकलों के बीच, वरिष्ठ मंत्रियों के साथ बंद कमरे में हुई बैठक को अधिक तवज्जो नहीं देते हुए शुक्रवार को कहा कि यह एक ''अनौपचारिक और गैर-राजनीतिक'' बैठक थी। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा 13 अक्टूबर को अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के लिए आयोजित किए जा रहे भोज को एक अनौपचारिक बैठक बताया तथा मुख्यमंत्री पद पर बदलाव की अटकलों को तवज्जो नहीं दी।

गृह मंत्री जी परमेश्वर, समाज कल्याण मंत्री एच सी महादेवप्पा और लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली के बीच बृहस्पतिवार को बंद कमरे में हुई बैठक से हलचल मच गई। परमेश्वर ने कहा, 'ऐसा कुछ नहीं है। मुझे नहीं पता कि आप इसे कैसे देखते हैं। हम सामान्य रूप से मिलते रहे हैं। कई बार हम दोस्त - जरकीहोली (सतीश जरकीहोली), महादेवप्पा और मैं- कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मिलते हैं। ये राजनीतिक बैठकें नहीं होतीं।' उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'कल मंत्रिमंडल की बैठक हुई थी और कुछ विषय संवेदनशील थे, इसलिए हमने नाश्ते पर चर्चा की।'उन्होंने कहा, यह एक अनौपचारिक बैठक थी। इसमें कुछ भी खास नहीं है... हमने ऐसी कई बैठकें की हैं। यह पहली बार नहीं है। इससे पहले हम सतीश जारकीहोली और महादेवप्पा के घर पर बैठकें कर चुके हैं। यह कोई नयी बात नहीं है। ऐसी भी खबरें आई हैं कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार रात इन वरिष्ठ मंत्रियों के साथ बैठक की।

नवंबर में कांग्रेस नीत सरकार के अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ राज्य में नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तेज़ हैं, जिसे कुछ लोग नवंबर क्रांति भी कह रहे हैं। इस बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में परमेश्वर ने कहा, किसने कहा कि नवंबर में क्रांति होगी? मुझे नहीं पता...

मुख्यमंत्री के भोज पर एक सवाल के जवाब में उन्होंने पूछा, क्या मुख्यमंत्री ने कभी रात्रिभोज की बैठक नहीं बुलाई? वैसे ही उन्होंने बुलाई है। भोजन के अलावा कोई एजेंडा नहीं है...यह भोजन पर एक अनौपचारिक बैठक है। मंत्रिमंडल में फेरबदल के सवाल पर मंत्री ने कहा कि ये बातें मुख्यमंत्री से पूछी जानी चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस आलाकमान ने मंत्रियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया है, उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसी किसी बात की जानकारी नहीं है।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष, अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058 फोन : 080-28094541, 4186

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

1	एनआईटी सं :	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी /ईटीएन-67/2025-26 दिनांक : 10.10.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी /ईटीएन-68/2025-26 दिनांक : 10.10.2025
2	कार्य का नाम :	आईडीएसएन परिसर, इस्ट्रैक, बेंगलुरु में मौजूदा एलटी पैनल में एयर सर्किट ब्रेकर (एसीबी) का प्रतिस्थापन और बसबार का संशोधन।	एससीसी परिसर, इस्ट्रैक, बेंगलुरु में सबस्टेशन और एएचयू संयंत्र के आंतरिक विद्युतीकरण तारों और प्रकाश फिटिंग का नवीनीकरण।
3	निविदा का अनुमानित मूल्य	₹ 23.81 लाख	₹ 15.67 लाख
4	निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा	ई-निविदा
5	कार्यादेश जारी होने के 15 दिन बाद की तिथि से गिनी जाने वाली कार्य समापन अवधि	चार (04) माह	पांच (05) माह
6	निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	11.10.2025 को 16.00 बजे से 25.10.2025 को 16.00 बजे तक	
7	बोली स्पष्टीकरण	12.10.2025 को 11.00 बजे से 26.10.2025 को 16.00 बजे तक	
8	बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	27.10.2025 को 16.00 बजे तक	
9	निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	28.10.2025 को 16.00 बजे तक	
10	निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	30.10.2025 को 11.00 बजे से	
11	ईएमडी	रु. 47,620/-	रु. 31,340/-

इच्छुक निविदाकार कृपया www.isro.gov.in देखें। साथ ही पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (निट) देखें जिसे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किया जा सकता है।

ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

मंगलूरु में स्वास्थ्य कर्मी ने आत्महत्या की

मंगलूरु। मंगलूरु में एक सरकारी अस्पताल में 26 वर्षीय एक स्वास्थ कर्मी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पीड़ित ने एक नोट छोड़ा था जिसमें उसने चार लोगों पर निजी वीडियो के जरिए उसे 'ब्लैकमेल और परेशान' करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने बताया कि निट्टे के परपडी निवासी अभिषेक आज सुबह अपने घर में मृत पाए गए। पुलिस के अनुसार, अपने नोट में उसने कथित तौर पर चार व्यक्तियों निरिक्षा, राहुल, राकेश और तस्लीम का नाम लेते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने पैसे के लिए उसका गंभीर रूप से मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न किया। यहां तक कि उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने बताया कि नोट में लिखे तथ्यों के आधार पर जांच की जा रही है।

सहकारी सोसाइटियों में अनियमितताओं पर नियंत्रण होगा स्थापित : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सहकारी सोसाइटियों में प्रक्रियाओं के सरलीकरण, अनियमितताओं पर नियंत्रण एवं समितियों की व्यवसाय वृद्धि के लिए कृतसंकल्पित है। इसी क्रम में राज्य सरकार सोसाइटियों तथा आमजन के हित में सहकारी कानून को अधिक प्रासंगिक बनाते हुए नवीन सहकारी अधिनियम लाने जा रही है। प्रस्तावित नवीन सहकारी अधिनियम में ऐसे कई महत्वपूर्ण प्रावधान प्रस्तावित किए गए हैं, जिनसे आमजन का सहकारी समितियों पर विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा।

राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित नवीन सहकारी अधिनियम वर्तमान में लागू राजस्थान सहकारिता अधिनियम, 2001 का स्थान लेगा। इसे वर्तमान परिप्रेक्ष्य के अनुरूप अधिक प्रासंगिक बनाया गया है। राज्य सरकार ने इस संबंध में पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था, जिसने महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, केरल आदि सहकारी आन्दोलन के अग्रणी राज्यों के सहकारी कानूनों का व्यावहारिक अध्ययन कर तथा वरिष्ठ अधिकारियों व विशेषज्ञों से चर्चा कर नवीन को-ऑपरेटिव कोड का ड्राफ्ट तैयार किया था। इसमें प्रक्रियाओं के सरलीकरण, अनियमितताओं पर नियंत्रण और त्वरित निस्तारण के साथ ही समितियों की व्यवसायिकता, आपसी सहयोग को सुगम बनाने, समितियों के प्रबंधन में एकाधिपत्य हटाने, लोकतांत्रिक एवं सदस्योन्मुखी प्रबंधन आदि पर विशेष रूप से फोकस किया गया है।

प्रदेश में 2 से 15 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे 'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत जनसाधारण को प्रस्तावित नवीन अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्रदान कर उन्हें इसके प्रति जागरूक किया जा रहा है। अब तक 3 लाख 75 हजार से अधिक लोगों को प्रस्तावित अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी प्रदान की जा चुकी है।

नवीन अधिनियम में सहकारी समितियों को स्वयं के तथा सदस्यों के उत्पाद अपने कार्यक्षेत्र से बाहर भी विक्रय किए जाने की छूट दिये जाने तथा सोसाइटियों में बाजार से प्रतिस्पर्धा एवं व्यवसाय में वृद्धि के लिए आपसी सहमत शर्तों पर

साझेदारी करने के प्रावधान प्रस्तावित किए गए हैं। इसी प्रकार, सहकारिता क्षेत्र के विस्तार और नई सोसाइटियों के गठन को गति दिए जाने के लिए सोसाइटियों में राज्य सरकार अथवा भारत सरकार द्वारा शेयर पूंजी धारण किए जाने की अधिकतम सीमा समाप्त करने का प्रावधान तथा लोकहित में नई सोसाइटियों के गठन के लिए सदस्यों में तदर्थ समिति गठित किए जाने में अवरोध होने पर रजिस्ट्रार द्वारा 3 माह के लिए तदर्थ समिति गठित किए जाने और उसके बाद उपनियम के अनुसार चुनाव करवाये जाने का प्रावधान भी प्रस्तावित है।

नवीन अधिनियम में सहकारी समितियों की आमसभा के आयोजन को सुगम बनाने के लिए सदस्यों को व्हाटसएप एवं ई-मेल से भी सूचित किए जाने तथा आमसभा आयोजित न करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति पर 5 हजार रुपये के अर्थदण्ड का प्रावधान प्रस्तावित है। यदि संचालक मंडल सदस्य बिना अनुमति के संचालक मंडल की तीन बैठकों में लगातार अनुपस्थित रहता है तो उसे निर्योग्य किए जाने का प्रावधान भी प्रस्तावित किया गया है। जिन सोसाइटियों को राज्य सरकार द्वारा सहायता प्राप्त नहीं है, उन्हें रजिस्ट्रार द्वारा जारी सामान्य शर्तों और अधिनियम के प्रावधानों के अधीन रहते हुए वित्तीय व आन्तरिक प्रशासनिक मामलों में स्वायत्तता का प्रावधान भी नवीन अधिनियम में किया गया है।

सोसाइटियों में समयबद्ध रूप से ऑडिट हो इसके लिए भी महत्वपूर्ण प्रावधान नवीन अधिनियम में किये गए हैं। इसमें सोसायटी के स्तर से ऑडिटर नियुक्ति का प्रस्ताव उसी वित्तीय वर्ष में विभागीय पोर्टल पर अपलोड करने का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है, अन्यथा रजिस्ट्रार द्वारा ऑडिटर की नियुक्ति की जा सकेगी। सोसायटी की वित्तीय स्थिति के संबंध में आमजन को जानकारी हो, इसके लिए सोसायटी द्वारा ऑडिट की रिपोर्ट जारी होने के बाद 15 दिवस के अंदर विभागीय पोर्टल पर अपलोड करना आवश्यक होगा। गबन एवं अनियमितताओं के मामलों में त्वरित कार्यवाही कर अधिभार निर्धारण किए जाने तथा वसूली किए जाने के लिए ऑडिट, जांच, निरीक्षण या समापक की रिपोर्ट के आधार पर आरोप तय कर विचारण का प्रावधान प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार की अध्यपेक्षा पर भी जांच करवाने का प्रावधान नवीन अधिनियम में प्रस्तावित किया गया है। क्रेडिट सोसाइटियों में जमाकर्ताओं के हितों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें सदस्य बनाकर ही जमा किए जाने तथा उनके कार्यकलापों के विनियमन के लिए विनियामक बोर्ड के गठन का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है।

हाउसिंग सोसायटी के सदस्यों को प्रवंचना से बचाने के लिए सरकार द्वारा नियम बनाये जा सकेंगे। नवीन अधिनियम में 'सहकारी' शब्द के दुरुपयोग पर 50 हजार रुपये के अर्थदण्ड का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। साथ ही, नोटिस एवं आदेश की व्हाटसएप एवं ई-मेल आदि के माध्यम से तामीली तथा सोसायटी अथवा सदस्यों के हित में रजिस्ट्रार को निर्देश देने की शक्तियों का प्रावधान भी नवीन अधिनियम में किया गया है।

सियासी मुलाकात : वसुंधरा राजे से मुलाकात में अंता उपचुनाव पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बीच मुलाकात से सियासी हलचल पैदा हो गई। तीनों नेताओं के बीच अंता विधानसभा उपचुनाव को लेकर विचार-विमर्श हुआ, लेकिन इस मुलाकता और भी मायनों में देखा जा रहा है। अंता विधानसभा सीट वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सिंह के लोकसभा क्षेत्र में आती है। हाड़ौती अंचल को हमेशा से राजे का राजनीतिक क्षेत्र माना जाता रहा है। ऐसे में इस चुनाव से पूर्व मुख्यमंत्री की प्रतिष्ठा भी जुड़ी हुई है। यही वजह है कि भाजपा ने अभी तक अंता सीट से अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी इस चुनाव में राजे की राय को अहम मान रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ उनके आवास पर पहुंचे।

अंता उपचुनाव में कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है, जबकि भाजपा में टिकट को लेकर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। वसुंधरा राजे कंवरलाल मीणा के परिवार को टिकट देना चाहती हैं, लेकिन पार्टी के भीतर इस पर एकराय नहीं है। कंवरलाल मीणा, जो मनोहरथाना क्षेत्र के रहने वाले हैं और पहले विधायक भी रह चुके हैं, को स्थानीय नेता बाहरी मानते हैं। इसके अलावा कोर्ट से उन्हें दोषी ठहराए जाने के बाद उनकी आपराधिक छवि भी पार्टी के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

जातिगत और राजनीतिक समीकरणों के अनुसार पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी इस सीट के लिए सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। हालांकि, वसुंधरा राजे उनके नाम पर पूरी तरह सहमत नहीं हैं। कभी प्रभुलाल सैनी को राजे समर्थक नेताओं में शामिल किया जाता था, लेकिन 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद स्थितियां बदल गई हैं। इस तरह, अंता विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की रणनीति और राजे की राय चुनाव की दिशा तय करने में निर्णायक साबित होगी।

सचिन पायलट का भाजपा सरकार पर बेरोजगारी एवं महंगाई से निपटने में विफल रहने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बृहस्पतिवार को केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर अपनी विचारधारा थोपने तथा बेरोजगारी एवं महंगाई से निपटने में विफल रहने का आरोप लगाया। रेवदर विधानसभा क्षेत्र के अपने दौरे के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए पायलट ने कहा, पिछले 10 साल में सिर्फ एक ही चीज हुई है कि अपनी विचारधारा को जानबूझकर थोपा जा रहा है। भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने, काला धन वापस लाने और भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने का वादा किया था। अब सवाल यह है कि राज्य और देश के मौजूदा हालात के लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखने वाले अब भाजपा की नफरत भरी राजनीति के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब हम सच्चाई के रास्ते पर चलते हैं और जनभावनाओं के साथ खड़े होते हैं, तो यह हमारे विरोधियों को रातों की नींद उड़ा देता है।

उन्होंने कहा,बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। पायलट ने आरोप लगाया कि भाजपा असली मुद्दों से ध्यान भटका रही है। उन्होंने कहा, जब भी उनसे सवाल किया जाता है तो उनका जवाब सिर्फ हिंदू-मुस्लिम या मंदिर-मस्जिद होता है।

उत्तरी हवाओं के प्रभाव से ज्यादातर हिस्सों में तापमान में गिरावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस तक नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तरी हवाओं के प्रभाव के कारण राजस्थान में तापमान कम हुआ है। विभाग के अनुसार, वर्तमान में उत्तरी हवाओं के प्रभाव से राज्य के अधिकांश भागों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान सामान्य से दो से सात डिग्री सेल्सियस तक कम हुआ है।

बृहस्तीवार को सीकर में न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे कम था। जयपुर स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य के सभी भागों में एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहेगा। विभाग ने बताया कि अगले 48 घंटों के दौरान तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होने और उसके बाद धीरे-धीरे दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का अनुमान है।

अंता विधानसभा क्षेत्र में 2.27 लाख पंजीकृत मतदाता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अंता विधानसभा क्षेत्र में 2.27 लाख से अधिक पंजीकृत मतदाता 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में मतदान करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, मतदाता मतदान के लिए अपने मतदाता फोटो पहचान पत्र के अलावा 12 अन्य फोटो पहचान पत्रों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि अंता विधानसभा क्षेत्र में एक अक्टूबर 2025 तक कुल 2,27,563 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 1013 मतदाता 85 वर्ष से अधिक आयु के हैं, 1170 मतदाता दिव्यांग और 39 सेवा मतदाता शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं के पास मतदाता फोटो पहचान पत्र उपलब्ध नहीं है वे मतदान के दिन 12 वैकल्पिक फोटो पहचान पत्रों में से किसी एक को दिखाकर मतदान कर सकेंगे।

मतदान के लिए आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक-डाकघर द्वारा जारी पासबुक (फोटो सहित), स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड (आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत), ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, स्मार्ट कार्ड (राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर एनपीआर के तहत जारी), भारतीय पासपोर्ट, पेंशन दस्तावेज (फोटो सहित), सरकारी, सार्वजनिक उपक्रम, निजी लिमिटेड कंपनियों के कर्मचारियों के लिए सेवा पहचान पत्र (फोटो सहित) दिखा सकते हैं। अधिकारियों ने बताया हालांकि मतदान के लिए मतदाता सूची में नाम का होना अनिवार्य है। राजस्थान के बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान 11 नवंबर को होगा जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी। यह सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक कंवरलाल मीणा को अयोग्य घोषित किए जाने के कारण खाली हुई है।

विधायक सोशल मीडिया पर पैदा नहीं होते : रंधावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस पार्टी के राजस्थान मामलों के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने स्थानीय नेता नरेश मीणा पर कटाक्ष करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि विधायक सोशल मीडिया पर पैदा नहीं होते हैं। रंधावा और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पार्टी के दिवंगत नेता रामेश्वर डूडी को श्रद्धांजलि देने बीकानेर गये थे। अंता विधानसभा सीट के लिए होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस की टिकट न मिलने पर मीणा की नाराजगी के बारे में पूछे जाने पर रंधावा ने कहा, मैं उनसे कभी नहीं मिला और न ही उन्होंने मुझसे कभी मिलने की

कोशिश की। कांग्रेस ने अंता सीट से प्रमोद जैन भाया को मैदान में उतारा है जबकि नरेश मीणा ने घोषणा की है कि वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। हाल में मीणा ने सोनिया गांधी के साथ अपने पिता की पुरानी तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा कि उनके पिता कभी कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष थे। इस बारे में टिप्पणी करते हुए रंधावा ने कहा,मैं साढ़े तीन साल से पार्टी प्रभारी हूं। मैं उनसे कभी नहीं मिला, न ही उन्होंने मुझसे मिलने की कोशिश की। ट्विटर पर तो बहुत कुछ हो जाता है, लेकिन ट्विटर पर एमएलए विधायक पैदा नहीं होते।

उन्होंने कहा,इसके लिए पार्टी में उनका काम, उनकी गंभीरता, पार्टी के लिए निष्ठा, समर्पण व उनकी पृष्ठभूमि को देखा जाता है। कांग्रेस हमेशा ही कार्यकर्ता का सम्मान करती है। रंधावा के बयान पर मीणा ने कहा,मैं रंधावा जी से कई बार मिला हूं। वह एक राष्ट्रीय पार्टी के राष्ट्रीय नेता हैं। उनके साथ मेरी मुलाकातों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। मैं अब निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहा हूं, इसलिए हमें इस बारे में बात नहीं करनी चाहिए।

हरियाणा आईपीएस सुसाइड मामला

अरुण चतुर्वेदी की कांग्रेस को नसीहत, कहा- राजनीति करना सही नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता अरुण चतुर्वेदी ने हाल ही में आईएएनएस से खास बातचीत के दौरान हरियाणा की घटना को बेहद दुखद बताया। उन्होंने कहा कि एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की आत्महत्या बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन हरियाणा की सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस हर घटना के पीछे राजनीति ढूंढती है, जबकि सरकार अपने काम और जांच प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए मामले को निपटा रही है। उनका कहना है कि इस तरह की राजनीति, खासकर जाति और धर्म के आधार पर, देश को बांटने वाली होती है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के 'एक्स' पोस्ट और टीका राम जूली के बयान के संदर्भ में उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा जाति और धर्म के नाम पर एजेंडा चलाती रही है। उन्होंने हरियाणा सरकार की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि सख्त कदम उठाकर सरकार ने एक संदेश दे दिया कि कानून सबके लिए समान है। उनका कहना है कि हर

मामले में राजनीति करना उचित नहीं होता, बल्कि इसे सामाजिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

इसके अलावा, उन्होंने राजस्थान में धर्मांतरण कानून को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि अब राजस्थान में देश का सबसे सख्त धर्मांतरण कानून लागू हो चुका है। इसके तहत धर्मांतरण करने वाले पर सिर्फ जुर्माना और सजा नहीं होगी, बल्कि मकान पर बुलडोजर भी चलेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भी चतुर्वेदी ने अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि लालू राज और उनके समय का चारा घोटाला सबके सामने है और जनता ऐसे लोगों को फिर सत्ता में नहीं आने देगी।

उन्होंने एनडीए सरकार के कामकाज की तारीफ करते हुए कहा कि बिहार में भाजपा की सरकार बनना तय है।

राज्य में 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025' की तैयारियों की उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा आयोजित होने वाली खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 की तैयारियों की समीक्षा हेतु मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि यह आयोजन राजस्थान के छह संभागों जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, भरतपुर और बीकानेर में होगा जिसमें देशभर के 200 से अधिक विश्वविद्यालयों के लगभग 5000 खिलाड़ी और 2000 अधिकारी एवं स्टाफ भाग लेंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि यह आयोजन एक व्यापक अभ्यास है, जिसके लिए सभी विभागों के बीच समन्वय आवश्यक है। उन्होंने खेल विभाग को निर्देश दिए कि सभी कार्य योजनाबद्ध और समयबद्ध रूप से पूरे हों ताकि राज्य की साख और छवि और सुदृढ़ हो।

मुख्य सचिव ने बैठक में उपस्थित सभी विभागों को निर्देशित किया कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स पर केंद्र एवं राज्य दोनों स्तरों पर गहन निगरानी की जा रही है।

उन्होंने खेल विभाग को निर्देश दिए कि आईटी विभाग के सहयोग से आयोजन की वेबसाइट पर मैस्कॉट और टैगलाइन हेतु एक ओपन क्रिएटिव प्रतियोगिता प्रारंभ की जाए ताकि राज्य के नागरिक भी इसमें भाग ले सकें और इस अभियान का जन-जुड़ाव बढ़े। उन्होंने यह भी कहा कि खेल प्रतियोगिताओं की समस्त जानकारी पोर्टल के माध्यम से सार्वजनिक की जाए ताकि जनता को यह पता रहे कि कौन-सा आयोजन किस स्थान पर हो रहा है।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी छह संभाग मुख्यालयों पर खिलाड़ियों के ठहराव की सुगम व्यवस्था करें। खिलाड़ियों के लिए राज्य के संग्रहालयों और दर्शनीय स्थलों पर नि:शुल्क प्रवेश की सुविधा दी जाए ताकि वे राजस्थान की संस्कृति और आतिथ्य का अनुभव कर सकें। उन्होंने कहा कि सभी खेल सुविधाओं को सर्वोत्तम स्तर पर तैयार किया जाए ताकि यह आयोजन देशभर में एक मिसाल बने। उन्होंने संबंधित सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि वे गति बढ़ाएँ और आगामी उत्सव सीज़न को ध्यान में रखते हुए आयोजन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें।

शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग डॉ. नीरज कुमार पवन ने कहा कि खेल स्थलों की मरम्मत, अधोसंरचना उन्नयन, निविदा प्रक्रियाएँ, निरीक्षण समितियाँ और प्रशासनिक ढाँचा पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। जयपुर में प्रमुख खेल स्थलों का उन्नयन किया जा रहा है, जबकि प्रत्येक संभागीय मुख्यालय पर दो-दो खेलों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने क्रीड़ा विभाग द्वारा प्रत्येक संभाग में चयनित खेलों की रूपरेखा और बजट प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

प्रतिबंधित वन्य जीव उत्पाद ऑनलाइन बेचने का आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। दिल्ली वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) और झुंझुनू वन विभाग के संयुक्त अभियान में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है जो खुद को वास्तु विशेषज्ञ बताकर प्रतिबंधित वन्य जीव उत्पाद ऑनलाइन बेच रहा था। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि आरोपी की पहचान झुंझुनू जिले के मंड्रेला के निवासी साहिल गौड़ उर्फ साहिल शर्मा के रूप में हुई है। उसे झुंझुनू रेलवे स्टेशन पर फर्जी ग्राहक को अवैध वन्यजीव उत्पाद बेचते हुए पकड़ा गया। उसके कब्जे से लगभग 20 लाख रुपये मूल्य की प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई, जिसमें उल्लू के नाखून, जंगली सुअर के दांत व इंद्रजाल आदि शामिल हैं। सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) हरेंद्र सिंह के अनुसार, आरोपी पर पिछले छह महीने से निगरानी रखी जा रही थी। वह कथित तौर पर वास्तु और ऊर्जा शुद्धीकरण गुरु की आड़ में इंस्टाग्राम पर सोशल मीडिया अकाउंट चलाता था और अपने उत्पादों को व्यावसायिक सफलता और समृद्धि के उपाय के रूप में प्रचारित करता था।

जांचकर्ताओं ने बताया कि साहिल अपने तथाकथित तंत्र पैकेज के जरिए गारंटीशुदा नतीजे देने का दावा करता था और उसने इसकी कीमत 50,000 रुपये से तीन लाख रुपये के बीच रखी थी। उसके ग्राहकों में कथित तौर पर राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के व्यापारी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी कथित तौर पर महाराष्ट्र के एक वन्यजीव तस्कर के साथ मिलकर काम कर रहा था।

व्हाट्सऐप ग्रुप पर कब्जा : निम्बाहेड़ा में सोशल मीडिया विवाद थाने तक पहुंचा

चित्तौड़गढ़। सोशल मीडिया पर अनोखे विवाद का मामला गुरुवार को निम्बाहेड़ा में सामने आया। स्थानीय निवासी मुकेश दास ने कोतवाली थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि उनका व्हाट्सऐप ग्रुप कब्जा कर लिया गया। मुकेश दास ने बताया कि वर्ष 2020 में उन्होंने आमजन और पत्रकारों को जोड़कर एक व्हाट्सऐप ग्रुप बनाया था। इसका उद्देश्य जनहित में सही और तथ्यपूर्ण खबरें साझा करना था। ग्रुप में कई पत्रकारों को एडमिन बनाया गया था ताकि संचालन पारदर्शी और व्यवस्थित रहे। हाल ही में मुकेश के अनुसार, प्रमोद बैरवा के आग्रह पर उन्हें एक अन्य ग्रुप में जोड़ा गया और एडमिन बनाया गया।

हिमाचल सरकार आईटी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए साइबर हब बनाने की योजना बना रही : सुखविंदर सिंह सुक्खू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार सोलन जिले के वाकनाघाट में 650 बीघा क्षेत्र में एक 'साइबर सिटी' स्थापित करने की योजना बना रही है। इस साइबर सिटी से डेटा भंडारण, कृत्रिम मेधा (एआई) और अन्य सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) आधारित उद्यम संचालित हो सकेंगे।

एक बयान के अनुसार डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं संचालन विभाग की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए सुक्खू ने अधिकारियों को परियोजना के लिए जल्द से जल्द विस्तृत खाका तैयार करने का निर्देश दिया।

आईटी क्षेत्र को प्राथमिकता वाला क्षेत्र बताते हुए सुक्खू ने कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने तथा राज्य भर में आईटी उद्योग में निवेश आकर्षित करने के लिए ठोस कदम उठा रही है।

सुक्खू ने वाकनाघाट में बन रहे उत्कृष्टता केंद्र की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को तेज किया जाए और केंद्र में एक एआई (एआई) लैब भी स्थापित की जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि कि कांगड़ा के चैतड़ और शिमला के मेहली में बन रहे आईटी पार्क का निर्माण कार्य दिसंबर 2025 तक पूरा कर लिया जाए।

बुनियादी ढांचा, कारोबारी सुगमता और सुरक्षा से राज्य में आ रहा व्यापक निवेश : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार कहा कि प्रदेश में बेहतर बुनियादी ढांचा, कारोबारी सुगमता और मजबूत कानून व्यवस्था से निवेश आ रहा है और राज्य देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आधिकारिक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को गोरखपुर के चंपा देवी पार्क में आयोजित उप्र ट्रेड शो स्वदेशी मेला के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी मेला का आयोजन राज्य के हर जिले में हो रहा है। इसके पहले प्रदेश में बने उत्पादों को मंच देने के लिए 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का आयोजन किया गया था। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में 2250 से अधिक उद्यमियों ने अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया था।

मेले में 500 से अधिक विदेशी क्रेता आए थे और 1,12,00 करोड रुपए के उत्पादों की बिक्री हुई। यह नए उत्तर प्रदेश की तस्वीर है जो बीमारू राज्य से उबरकर इसे उद्यम प्रदेश के रूप में प्रस्तुत करती है। मुख्यमंत्री ने कहा, जब उद्यम लगेंगे तो रोजगार मिलेगा। उद्यम लगेंगे तो कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी और उस कनेक्टिविटी की सुविधा का लाभ उद्योग ही नहीं बल्कि आम नागरिकों को भी मिलेगा। उद्यम लगेंगे तो नई तकनीकी आएगी और रोजगार के नए-नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने

जो प्रगति की है, उससे वह बीमारू की छवि से बाहर निकलकर देश की अर्थव्यवस्था का वृद्धि इंजन बन चुका है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में उद्यम लगाना एक सपना था। तब ऐसी अराजकता थी कि लोग उप्र से भागने की फिराक में रहते थे। 2017 के बाद डबल इंजन सरकार में सुरक्षा का जबरदस्त वातावरण बना। अपराध को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाई गई। उद्योगों से जुड़े नियमों को सरल बनाया गया। आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भरता के हर एक क्षेत्र में मॉडल बनता जा रहा है। कानून व्यवस्था के साथ ही बुनियादी ढांचा के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है। राजमार्ग, रेलवे, हवाई मार्ग, अंतर्देशीय जलमार्ग में प्रगति की लंबी छलांग लगाई है।

मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से स्वदेशी वस्तुओं का ही इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब हम स्वदेशी अपनाएंगे तो कारीगरों, शिल्पियों के श्रम का सम्मान होगा। स्वदेशी से देश का पैसा देश में ही रहेगा। स्वदेशी का मुनाफा देश के निर्माण के काम आएगा। उन्होंने सचेत किया कि विदेशी वस्तुओं के खरीदने पर उसके मुनाफे का पैसा कई बार देश के खिलाफ, आतंकवाद, नक्सलवाद और अलगाववाद पर खर्च होता है। जब देश का पैसा स्वदेशी के माध्यम से देश में ही खर्च होगा तो विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित गोरखपुर का सपना भी तेजी से साकार होगा।

टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 'कीट' पांचवें पायदान पर

कीट-कीस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने इसे बड़ी उपलब्धि बताया

भुवनेश्वर। टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 के घोषित परिणामों में भुवनेश्वर स्थित 'कीट डीम्ड विश्वविद्यालय' वैश्विक स्तर पर 501 संस्थानों में आंका गया है। प्रकाशित सूची में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रीयल टेक्नालॉजी (केआईआईटी या कीट) पांचवें स्थान पर भारत में सर्वश्रेष्ठ रहा है।

गौरतलब है कि कीट ओडिशा का एकमात्र ऐसा तकनीकी संस्थान है जिसे राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष 10 की सूची में स्थान प्राप्त हुआ है और यह ओड़िशा राज्य की बढ़ती शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रत्यक्ष प्रतीक है। वैश्विक स्तर पर कीट को 2,191 विश्वविद्यालयों में 501-600 बैंड में और राष्ट्रीय स्तर पर देश में 128 संस्थानों में से कीट पांचवां स्थान प्राप्त किया है। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) भारतीय विश्वविद्यालयों में शीर्ष पर रहा, जबकि केआईटीटी भारत का पाँचवाँ सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय है। इस वर्ष कीट को टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड

यूनिवर्सिटी रैंकिंग के 'शैक्षणिक उत्कृष्टता' मानदंड में विश्व में 259वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। कीट डीम्ड विश्वविद्यालय ने 'उद्योग एकीकरण', 'अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण' और 'सामाजिक प्रतिबद्धता मानदंडों में भारत में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कीट-कीस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने कहा, हर राज्य की आकांक्षा होती है कि उसका विश्वविद्यालय विश्व स्तर पर शीर्ष 500 में स्थान अर्जित करे। मुझे खुशी है कि कीट अपनी स्थापना के मात्र 28 वर्षों में ही एक डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में 22 वर्षों के अनुभव के साथ, 501 विश्वविद्यालयों की सूची में दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में शुमार हो गया है। यह उपलब्धि विशेष रूप से ओडिशा और पूरे भारत के लिए गौरव की बात है।

भाजपा ने ममता बनर्जी पर एसआईआर को लेकर दंगों की धमकी देने का आरोप लगाया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणी की आलोचना की और उन पर दंगे भड़काने की धमकी देने का आरोप लगाया। इससे एक दिन पहले, बनर्जी ने तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया था कि निर्वाचन आयोग के अधिकारी उनकी सरकार के अधिकारियों को ''धमका'' रहे हैं और विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले ही ''राजनीतिक प्रभाव में काम'' कर रहे हैं। उन्होंने कहा भाजपा मतदाता सूची के एसआईआर के नाम पर आग से खेल रही है और चेताया कि मतदाता सूची के साथ छेड़छाड़ करने का कोई भी प्रयास लोकतंत्र के साथ विश्वासघात के समान होगा।

तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि ममता बनर्जी ने जिस तरह से निर्वाचन आयोग की एसआईआर प्रक्रिया पर टिप्पणी की है, वह चौंकाने वाली और चिंता का विषय है। यदि एसआईआर किया गया तो बंगाल में दंगे होंगे व भयावह परिणाम होंगे... इसका मतलब कि ममता जी धमकी दे रही हैं कि यदि बंगाल में संवैधानिक प्रक्रिया शुरू हुई तो वह दंगे करवाएंगी और इसके भयावह परिणाम होंगे। पात्रा ने बनर्जी की टिप्पणी को गैर जिम्मेदाराना करार दिया और उनसे पूछा कि क्या वह खुद को संविधान से ऊपर मानती हैं। पात्रा ने बनर्जी पर हमला करते हुए सवाल किया कि क्या वह अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के वोटों के लिए राज्य में दंगे और खून-खराबा कराने की हद तक कानून को हाथ में ले सकती हैं, जो भारत में चुनाव में भाग लेने के हकदार नहीं हैं।

दलितों पर अत्याचार के प्रति आंखें मूंदे हुए हैं प्रधानमंत्री : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दलितों के साथ अपराध की हालिया घटनाओं का उल्लेख करते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मामले में आंखें मूंदे हुए हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि दलितों पर अत्याचार के हालिया मामले आरएसएस-भाजपा की सामंतवादी सोच का नतीजा हैं।

खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नरेन्द्र मोदी जी, एनसीआरबी (राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो) की रिपोर्ट के अनुसार 2013 से 2023 के बीच दलितों के खिलाफ़ अपराध में 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। आदिवासियों के खिलाफ़ अपराध 91 प्रतिशत बढ़े हैं। उन्होंने कहा, हरियाणा में आईपीएस अधिकारी से जातिगत भेदभाव, हरिओम वाल्मीकि की प्रताड़ना, प्रधान न्यायाधीश का अपमान और उसे जायज़ ठहराने की सोच, तथा भाजपा शासित राजस्थान के सवाई माधोपुर ज़िले में दलित बुज़ुर्ग महिला कमला देवी रैगर पर अत्याचारये सभी ताज़ा घटनाएं सिर्फ़ अलग-अलग वारदात नहीं हैं, बल्कि आरएसएसभाजपा की सामंतवादी सोच का खतरनाक प्रदर्शन है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह सिलसिला भारत के संविधान, सामाजिक न्याय और समानता के मूल सिद्धांतों पर सीधा हमला है। दलित, पिछड़े, आदिवासी और वंचित समाज को डराकर दबाने की यह राजनीति लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने जोर दिया कि ''भारत संविधान से चलेगा, न कि किसी कट्टर विचारधारा के फरमान से। खरगे ने आरोप लगाया, दलित, आदिवासी, पिछड़े, अल्पसंख्यक और कमज़ोर वर्ग इसका ख़ामियाज़ा भुगत रहे हैं, और आप (प्रधानमंत्री) इन पर अपनी आंखें बंद कर अपने ही तमाशों में व्यस्त हैं।

ईडी ने बंगाल के मंत्री सुजीत बोस की संपत्तियों समेत कोलकाता में सात ठिकानों पर छापेमारी की

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को यहां सात स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया, जिसमें पश्चिम बंगाल के मंत्री सुजीत बोस से जुड़ी संपत्तियां भी शामिल हैं। यह कार्रवाई नगर पालिका में भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में की गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि ईडी की टीम ने साल्ट लेक स्थित मंत्री के आवास-सह-कार्यालय, नगर बाजार इलाके में एक पार्षद के आवास और दक्षिण दमदम नगर पालिका के पूर्व अधिकारियों के आवासों पर छापेमारी की।

अधिकारी ने बताया कि उत्तरी कोलकाता के थंथानिया कालीबाड़ी इलाके में एक आवास पर तथा शहर के दक्षिणी हिस्से में न्यू अलीपुर में एक वकील के आवास पर भी छापेमारी की गई। ईडी के अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, आज की गई छापेमारी का उद्देश्य भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े दस्तावेज एकत्र करना है। मंत्री का कार्यालय मूल रूप से हमारी सूची में नहीं था।

बिहार की जनता के पास राजग को सत्ता से हटाकर 'समृद्ध बिहार' बनाने का अवसर : डी. राजा

पटना/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी. राजा ने शुक्रवार को कहा कि बिहार की जनता के पास यह विधानसभा चुनाव एक ऐसा अवसर लेकर आया है कि वो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को सत्ता से हटाकर 'इंडिया' गठबंधन को मौका दें ताकि खुशहाल और समृद्ध बिहार के निर्माण हो सके। उन्होंने पार्टी की राज्य परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं का आह्वान भी किया कि वे आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को सत्ता से हटाने और महागठबंधन की सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दें।

पटना में आयोजित बैठक में पार्टी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महंगाई, भूमि सुधार और पलायन जैसे जनसरोकार के मुद्दों को चुनावी मुद्दे में शामिल करने का निर्णय लिया। राजा ने दावा किया कि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) भाजपा के 20 वर्षों के शासन में बिहार कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा है। उनका कहना था, अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर हैं, जबकि केंद्र सरकार की कॉरपोरेट समर्थक और जनविरोधी नीतियों ने देश में महंगाई को बढ़ाया और रोजगार के अवसरों को घटाया है। भाकपा महासचिव ने कहा, यह बिहार की जनता के लिए एक अवसर है कि वे भाजपा-जदयू सरकार को बदलकर एक खुशहाल और समृद्ध बिहार के निर्माण के लिए इंडिया गठबंधन की सरकार बनाएं।

चिराग पासवान की अधिक सीट की मांग ने राजग के लिए समीकरणों को पेचीदा बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान की अधिक सीट की मांग ने बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए समीकरणों को पेचीदा बना दिया है, हालांकि सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं को समाधान जल्द निकलने की उम्मीद है।

सीट बंटवारे को लेकर राजग के साथ ही विपक्षी महागठबंधन में भी पिछले कई दिनों से गतिरोध बना हुआ है। राजग में गतिरोध की एक बड़ी वजह चिराग पासवान के अपने रुख पर अडिग रहने को माना जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि कई मौकों पर खुद को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'हनुमान' कहने वाले चिराग अधिक सीट की मांग के अपने रुख पर अडिग हैं। केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता नित्यानंद राय ने बृहस्पतिवार को चिराग से मुलाकात के बाद कहा कि सबकुछ सकारात्मक है। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में राजग से अलग होकर चुनाव लड़ने वाले चिराग इस बार जनता दल (यूनाइटेड) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वाले राजग गठबंधन का हिस्सा हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने जद(यू) के खिलाफ अपने उम्मीदवार उतारने की रणनीति अपनायी थी। उस चुनाव में नीतीश कुमार की पार्टी 43 सीट पर सिमट गई थी और इसके पीछे की एक बड़ी वजह चिराग की इस रणनीति को माना जाता है। वर्ष 2020 में तत्कालीन लोजपा ने 135 उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से 134 हार गए।

अगली जनगणना में असम में 'मिया मुस्लिम' सबसे बड़ा समुदाय होगा : मुख्यमंत्री हिमंत

डिब्रूगढ़ (असम)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दावा किया कि अगली जनगणना में 'मिया-मुस्लिम' (बांग्ला भाषी मुसलमान) राज्य में सबसे बड़े समुदाय के रूप में उभरेंगे। शर्मा ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ''हमारे लोगों'' के संरक्षण के लिए काम कर रही है और अगले सत्र में इस संबंध में विधानसभा में दो महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाएंगे। यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बात करते हुए, शर्मा ने कहा, जब अगली जनगणना पूरी हो जाएगी और परिणाम आएंगे, तो आप यह मान लीजिए कि राज्य की कुल आबादी में 'मिया-मुस्लिमों' की संख्या 38% होगी और वे सबसे बड़ा समुदाय होंगे। यही अब असम की सच्चाई है।

'मिया' मूल रूप से असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक अपमानजनक शब्द है, और गैर-बांग्ला भाषी लोग आमतौर पर उन्हें बांग्लादेशी अप्रवासी मानते हैं। शर्मा ने कहा कि अगर पिछले पांच सालों में किए जा रहे काम 30 साल पहले शुरू किए गए होते, तो हालात ऐसे नहीं होते। उन्होंने कहा, अब एक लड़ाई शुरू हो गई है और हम इसे वांछित परिणाम तक ले जाएंगे। शर्मा ने कहा कि ''हमारे लोगों की सुरक्षा और एक सुरक्षित भविष्य'' के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, अगले विधानसभा सत्र में दो बेहद महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाएंगे। मैं अभी उनके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा, लेकिन ये हमारी 'जाति, माटी, भेटी' (समुदाय, जमीन, घर) की रक्षा के लिए होंगे।

मेघालय के मुख्यमंत्री ने असम से लगी सीमा के पास संघर्ष के बाद शांति का आह्वान किया

इंफाल/भाषा। असम-मेघालय सीमा के पास दो समूहों के बीच झड़प में एक व्यक्ति की मौत के एक दिन बाद, एनपीपी अध्यक्ष और मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने शुक्रवार को लोगों से हिंसा न करने और अंतरराज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने का आग्रह किया।

मणिपुर के दो दिवसीय दौरे पर इंफाल आए संगमा ने इस घटना को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार दिया और कहा कि समस्या का मूल कारण ''असम और मेघालय के बीच सीमा को लेकर मतभेद हैं। मेघालय की सीमा से लगे असम के पश्चिमी कार्बी आंगलोंग जिले में धान की कटाई को लेकर बृहस्पतिवार को दो समूहों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

असम पुलिस ने बताया कि मेघालय के लोगों के एक समूह ने कथित तौर पर कटाई शुरू कर दी, जिसका हमरेन थाना क्षेत्र के तपत के ग्रामीणों ने विरोध किया, जिसके परिणामस्वरूप हाथापाई हुई। उन्होंने बताया कि मेघालय के लापांगप गांव और असम के तपत के निवासियों के बीच कई बार झड़प हुई। संगमा ने कहा, लापांगप क्षेत्र को लेकर मतभेद हैं। हम असम के साथ बातचीत कर रहे हैं। हम (मेघालय) अपने रुख पर कायम हैं और असम भी रुख पर कायम है। हमने इस मुद्दे पर चर्चा की है और इसे सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए, मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और मैं लोगों से अपील करता हूं कि हमें हिंसा का सहारा नहीं लेना चाहिए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेरावल (गुजरात)/भाषा। गुजरात की तीन दिवसीय यात्रा पर पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गिर सोमनाथ जिले में स्थित प्रसिद्ध सोमनाथ महादेव मंदिर में शुक्रवार को पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बृहस्पतिवार शाम गुजरात पहुंची थीं।

गुजरात सरकार की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि शुक्रवार को उन्होंने वेरावल शहर के समीप भगवान शिव को समर्पित 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक सोमनाथ महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना और आरती की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने शिवजी का गंगा जल से अभिषेक किया और मंत्रोच्चार के बीच सोमेश्वर महापूजा की।

विज्ञप्ति में कहा गया कि राष्ट्रपति मुर्मू ने मंदिर परिसर में स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। उन्होंने कहा कि पटेल ने स्वतंत्रता के बाद मंदिर के पुनर्निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

इसके बाद मुर्मू गिर राष्ट्रीय उद्यान में भ्रमण के लिए जूनागढ़ जिले के सासन-गिर रवाना हुईं जहां एशियाई शेर रहते हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 11 अक्टूबर को द्वारका स्थित द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन करेंगी और आरती करेंगी तथा अहमदाबाद में गुजरात विद्यापीठ के 71वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी।

जायसवाल ने जड़ा सातवां शतक, भारत की शानदार शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर का सातवां शतक जड़ा जबकि साई सुदर्शन ने भी अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश करके टीम में अपनी उपयोगिता साबित की जिससे भारत ने वेस्टइंडीज के आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शुक्रवार को दो विकेट पर 318 रन बनाए।

शुभमन गिल ने कप्तान के रूप में पहली बार टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जिसका जायसवाल ने पूरा फायदा उठाया। पहले टेस्ट में बड़ा स्कोर बनाने से चूकने वाले जायसवाल दूसरे मौके को हाथ से जाने देने के मूड में नहीं थे और उन्होंने कुछ आकर्षक शॉट लगाए। वह 253 गेंदों पर 22 चौकों की मदद से 173 रन बनाकर खेल रहे हैं।

सुदर्शन हालांकि अपना पहला टेस्ट शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्होंने 165 गेंद का सामना करके 87 रन बनाए जिसमें 12 चौके शामिल हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का यह सर्वोच्च टेस्ट स्कोर है। सुदर्शन और जायसवाल ने दूसरे विकेट के लिए 193 रन जोड़कर

वेस्टइंडीज के कमजोर आक्रमण की कलई खोलने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिन का खेल समाप्त होने के समय जायसवाल के साथ कप्तान शुभमन गिल 20 रन बनाकर खेल रहे थे। कप्तान ने सतर्कता बरती और अभी तक उन्होंने 68 गेंद का सामना करके तीन चौके लगाए हैं। इन दोनों बल्लेबाजों ने अभी तक तीसरे विकेट के लिए 67 रन जोड़े हैं। केएल राहुल (38) का किस्मत ने साथ नहीं दिया। जोमेल वारिकन की सुबह के सत्र में सिर्फ़ एक गेंद टर्न और बाउंस हुई जिस पर उन्होंने राहुल का कीमती विकेट हासिल किया। वारिकन ने तीसरे सत्र में एक और टर्न लेती गेंद पर सुदर्शन को पगबाधा आउट करके वेस्टइंडीज को दूसरी सफलता दिलाई। उन्होंने अब तक 60 रन देकर दो विकेट लिए हैं। उनके अलावा वेस्टइंडीज के अन्य गेंदबाज दिन भर सफलता हासिल करने के लिए तरसते रहे। भारत ने पहले सत्र में एक विकेट खोकर 94 रन बनाए थे। उसने दूसरे सत्र में बिना किसी नुकसान के 126 रन जोड़कर वेस्टइंडीज की गेंदबाजी को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया। भारत में तीसरे सत्र में 98 रन जोड़े और इस बीच सुदर्शन का विकेट गंवाया।

सुविचार

शिक्षा भविष्य के लिए पासपोर्ट है जो आज इसके लिए तैयारी करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भ्रष्टाचार पर एआई से प्रहार

दिल्ली सरकार द्वारा अपनी कई सेवाओं को 'फेसलेस' बनाने के लिए शुरू की गई मुहिम स्वागतयोग्य है। इससे पहले, ओडिशा सरकार ने वॉट्सऐप चैटबॉट शुरू किया था, जो 120 सेवाओं को सुलभ बनाएगा। देशभर में ऐसे नवाचारों की जरूरत है। पिछले एक दशक में सरकारी दफ्तरों से जुड़ीं सेवाओं में काफी सुधार हुआ है, लेकिन अभी और सुधार की जरूरत है। जब लोग छोटी-छोटी जरूरतों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाते हैं तो इसमें काफी समय बर्बाद होता है। प्रक्रिया में जितनी ज्यादा जटिलताएं होंगी, भ्रष्टाचार के रास्ते भी उतने ही खुलेंगे। आज आम लोगों के बीच यह धारणा है कि सरकारी काम में 'पैसा' लगता है। यह पूरी तरह गलत नहीं है। कुछ अधिकारी और कर्मचारी अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार हैं, लेकिन भ्रष्टाचारियों की वजह से कई दशकों में जो माहौल बना है, उससे हर कोई अवगत है। जब देश का युवा सोशल मीडिया पर देखता है कि विदेशों में सरकारी दफ्तरों से जुड़ीं सेवाएं कितनी आसानी से और बगैर रिश्वत दिए मिलती हैं तो वह निराशा महसूस करता है। वह चाहता है कि हमारे देश में भी ऐसी सेवाएं शुरू की जाएं। अब दिल्ली और ओडिशा की सरकारों द्वारा की गई पहल में उम्मीद की किरण दिखाई देती है। इन सेवाओं का धीरे-धीरे इतना विस्तार किया जाए कि आम आदमी को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत ही न पड़े। अगर फेसलेस और चैटबॉट सेवाएं प्रभावी ढंग से लागू की गईं तो ये भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में मददगार साबित होंगी।

यह एआई का दौर है। भारत को इसका नेतृत्व करना चाहिए। यह असंभव नहीं है। जिस देश में ज्यादातर लोग कुछ साल पहले तक इंटरनेट से परिचित नहीं थे, वे आज डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में नए कीर्तिमान बना रहे हैं! उनके तकनीकी ज्ञान से दुनिया हैरान है। अगर उन्हें सरकारी कामों के लिए एआई आधारित प्लेटफॉर्म मिलेंगे तो वे निश्चित रूप से बहुत बड़ा बदलाव लेकर आएंगे। भारतीय नागरिकों की खूबी है कि ये एक बार जो ठान लेते हैं, वह करके दिखाते हैं। सरकारी सेवाओं को ज्यादा सुलभ, पारदर्शी और तेज बनाने से समय और संसाधनों की बचत होगी। सरकार के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ेगा। याद करें, पहले किसानों और जरूरतमंद लोगों को मिलने वाली आर्थिक सहायता में कितना भ्रष्टाचार होता था? राष्ट्रीय राजधानी से जितनी धनराशि भेजी जाती थी, गांव तक पहुंचते-पहुंचते उसका बहुत बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचारी और बिचौलिए डकार जाते थे। जो थोड़ा-सा हिस्सा आम लोगों के लिए बचता था, उसे लेने के लिए भी बहुत पापड़ बेलने पड़ते थे। भ्रष्टाचारियों की खुशामद करनी पड़ती थी। उन्हें समय-समय पर फल, सब्जियां, अनाज, दूध, दही, घी और रुपए आदि देने पड़ते थे, ताकि भविष्य में कोई काम न अटके। अब सरकार बैंक खातों में धनराशि भेजती है। इस मामले में तो भ्रष्टाचारियों और बिचौलियों का खेल खत्म हो गया। अगर सरकार सौ रुपए भेजेगी तो किसान को सौ रुपए ही मिलेंगे। एक पैसा भी कम नहीं होगा। अब इससे आगे बढ़ने की जरूरत है। सरकारी दफ्तरों से जुड़ीं सभी सेवाओं को फेसलेस बनाते हुए लोगों तक उनका तेजी से प्रसार करना चाहिए, ताकि लेट-लतीफी, लालफीताशाही और 'ऊपरी कमाई' के बाकी दरवाजे भी बंद हो जाएं। जो सरकार यह कर दिखाएगी, वह जनता से समर्थन पाएगी। बस, इस बात का ध्यान रहे कि संबंधित प्लेटफॉर्म तकनीकी दृष्टि से सक्षम हों। उन्हें अपडेट करते रहें। प्लेटफॉर्म की हालत उन वेबसाइटों जैसी न हो जाए, जो न तो सही ढंग से खुलती हैं और न समय पर अपडेट होती हैं।

ट्वीटर टॉक

आज नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई)द्वारा आयोजित 'सुशासन और अभिलेख 2025' प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इसमें भारत में सुशासन को समझाने के लिए विभिन्न मंत्रालयों के रिकार्ड साक्ष्य की भांति प्रस्तुत किए गए हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या उस गहराते सामाजिक ज़हर का प्रतीक है, जो जाति के नाम पर इंसानियत को कुचल रहा है। एक आईपीएस अधिकारी को उसकी जाति के कारण अपमान और अत्याचार सहने पड़ें तो सोचिए, आम दलित नागरिक किन हालात में जी रहा होगा।

-राहुल गांधी

आस्था, श्रद्धा और परंपरा के पावन पर्व करवा चौथ की सभी माताओं, बहनों और सुहागिनों को हार्दिक शुभकामनाएं। इस विशेष दिन पर मेरी कामना है कि आप सभी का दाम्पत्य जीवन हमेशा खुशियों और सुख-समृद्धि से परिपूर्ण रहे।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

हौसले की मिसाल

कम उम्र में ही बीमारियों के कारण वह बच्ची बहरी हो गई। मां ने उसे होंठ से पढ़ना सिखाया। बड़ी होने पर उसे गोताखोरी और तैराकी करना बहुत अच्छा लगने लगा। मां ने उसे गोताखोरी की कोचिंग दिलाई। वर्ष 1964 में टोक्यो ओलंपिक के लिए अमेरिकी टीम के ट्रायल में वह बारहवें स्थान पर रही। मगर स्पाइनल मेनिन्जाइटिस की बीमारी ने उसके सपनों को तोड़ दिया। इसके बाद उसने हैंग ग्लाइडिंग, वॉटर स्कीइंग और स्काई डाइविंग जैसे खेलों का अभ्यास शुरू किया। वॉटर स्कीइंग स्पीड रेसिंग उसके लिए उपयुक्त साबित हुई। इसके बाद वह मोटरसाइकिल और रॉकेट-ईंधन वाली कारों की रेसिंग में आगे बढ़ी। अपनी मेहनत से कई स्पीड रिकॉर्ड बनाकर उसने दुनिया को दंग कर दिया। खेलों के दौरान उसकी मुलाकात स्टंटमैन रोनाल्ड डफी हैम्बलटन से हुई और दोनों विवाह के बंधन में बंध गए। हैम्बलटन ने अपनी पत्नी के सपनों को पूरा करने के लिए उसे हेल नीडहम से मिलवाया, जो एक स्टंटमैन से निर्देशक बने थे। नीधम ने युवती को 'स्टंटवुमन' के रूप में दुनिया के सामने प्रस्तुत किया, और पूरा विश्व एक बार फिर दांतों तले उंगलियां दबाकर रह गया।

सामयिक

आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया सोना

राजेश माहेश्वरी

सोने की कीमतें बेकाबू हो गई हैं। यह रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रहा है। आम लोगों के लिए इसे खरीद पाना अब पहुंच के बाहर है। खासतौर से उन्हें ज्यादा रोना आ रहा है जिनके घरों में शादी-ब्याह है। अगले महीने 1 नवंबर को देवोत्थान एकादशी के बाद लगनों का मौसम शुरू हो जाएगा। लेकिन, सोने में जिस तरह की आग लग गई है, उससे परेशानी बढ़ गई है। हर कोई बस इसमें गिरावट की आस लगाए बैठा है। लेकिन, कीमतें हैं कि थमने का नाम ही नहीं ले रही हैं। अमेरिका में सरकारी कामकाज ठप होने से बढ़ी अनिश्चितता और वैश्विक स्तर पर मजबूत रुझानों के चलते सोने और चांदी के दाम लगतार बढ़त की ओर हैं। त्योहारों और शादियों का मौसम है। आपकी बेटी की शादी होनी है और आप कुछ सोने के आभूषण बनवाने पर सोच रहे होंगे, लेकिन बजट अनुमति नहीं देता, क्योंकि सोना आम आदमी के बजट से बाहर होता जा रहा है। दरअसल 10 ग्राम सोने के दाम 1.22 लाख रुपए तक पहुंच चुके हैं और चांदी भी 1.5 लाख रुपए के पार चली गई है। आम आदमी बेटी को सोना कैसे दे सकता है?

सोने की आसमान छूती कीमतें खरीदारों की मुस्कान फीकी कर रही है। एक समय था जब नौलखा हार महिलाओं के पास होते थे। आज उतनी ही रकम से मात्र एक हल्की चेन बन पाती है। अमूमन नौलखा हार का वजन 500 ग्राम माना जाता था। आज के रेट के हिसाब से केवल सोने की कीमत ही लगभग 55.9 लाख रुपये होगी। अब अगर इसमें 10 फीसदी मेकिंग चार्ज और उस पर 3 फीसदी जीएसटी जोड़ दें तो 61 से 62 लाख कीमत हो जाएगी। यानी जो कभी 9 लाख में बनता था, वही नौलखा आज के जमाने में 60 लाख से ऊपर का हो गया है। सर्राफा बाजार की स्थिति गंभीर बनी हुई है। ग्राहकों की आवाजाही कम हो गई है। जो लोग आ भी रहे हैं, वे सिर्फ मजबूरी में खरीदारी कर रहे हैं। इसका सीधा असर व्यापारियों पर पड़ा है। दुकानदारों की बिक्री लगभग ठप हो गई है। दिनभर में गिने चुने लोग खरीदारी करने पहुंच रहे हैं। इधर एक बहस आरंभ हुई है कि सोने का बहिष्कार कर देना चाहिए। बेटी के लिए सोने का विकल्प सोचना चाहिए, लेकिन सोने के बाजार की हकीकत बिल्कुल अलग है। वहां आम आदमी का अस्तित्व ही नहीं है। बाजार के जानकारों के मुताबिक, यह उछाल अमेरिका में फाइनेंसिंग की दिक्कतों के कारण कुछ सरकारी विभागों में कामकाज रुकने (शटडाउन) से पैदा हुए भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच आया है। विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिकी सरकार के मौजूदा शटडाउन और वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों ने सोने जैसी सुरक्षित संपत्ति में निवेश को बढ़ावा दिया है।

'वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल' का मानना है कि सोने में अब भी उतना निवेश नहीं हो रहा, जितना होना चाहिए। वैश्विक निजी निवेश में सोने की हिस्सेदारी मात्र 1-2 फीसदी ही है, जबकि केंद्रीय बैंकों में सोने का रिजर्व 10-20 फीसदी के बीच रहा है। फिर भी यह दिलचस्प और हैरान करने वाला तथ्य है कि 2022 की दीपावली के बाद से सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि 2026 की दीपावली तक सोने के दाम 23 फीसदी और बढ़ सकते हैं। सोना 1.45 लाख और 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक उछल सकता है, क्योंकि बड़े निवेशक और दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोने में लगातार निवेश कर रहे हैं। चीन का पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना सितंबर में लगातार 11वें महीने सोने का शुद्ध खरीददार रहा है। यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की चीन की रणनीति का हिस्सा है। 2025 में अभी तक घरेलू बाजार में सोने का रिटर्न करीब 60 फीसदी रहा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह रिटर्न करीब 53 फीसदी रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के दाम 4890-5000 डॉलर प्रति आउंस हैं। एक आउंस 28.3 ग्राम के बराबर है। सोच लीजिए, सोना कितने आसमानों को छू रहा है। उसके बाजार को आम आदमी और उसकी बेटी की कोई चिंता नहीं है, क्योंकि आम आदमी का निवेश 'नगण्य' है। 'गोल्ड ईटीएफ' में भी इस साल अभी तक 17 फीसदी निवेश बढ़ चुका है। सितंबर में गोल्ड ईटीएफ' में 1.53 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जो कि एक माह में सबसे अधिक है। अंतरराष्ट्रीय, अमेरिकी बाजार में कभी सोने के दाम 20.7 डॉलर थे। 1834-1934 के बीच सोने के दाम धीरे-धीरे बढ़े और 35 डॉलर के दाम लगातार 34 साल तक स्थिर रहे। अब मौजूदा दौर में सोना इतना महंगा और अनिवार्य हो गया है कि देशों की अर्थव्यवस्था की बुनियाद है, लेकिन आम आदमी के लिए मुसीबत, परेशानी का प्रतीक बन गया है।

दरअसल सोने के दाम अमेरिका से ही शुरू होते हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कारोबार डॉलर में ही होता है। जनवरी, 2025 में जब ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी, तो सोना 2700 डॉलर प्रति आउंस था। उनके 8 माह के कार्यकाल में सोना महंगा ही होता गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ की बात शुरू की, तो देशों में अनिश्चितता फैलने लगी, नतीजतन सोना महंगा होता गया। देशों ने सोना खरीदना तेज किया, ताकि वे आर्थिक तौर पर सबल रहें।

अमरीका में तो आजकल शटडाउन' का दौर है। सरकारी कर्मचारियों को वेतन के बिना ही छुट्टी पर भेज दिया गया है, क्योंकि ट्रंप प्रशासन अमेरिकी कांग्रेस (संसद) से बजट ही पास नहीं करा पाया है। बहरहाल 1970-80 का दौर याद कीजिए, जब सोना 20 गुना से अधिक महंगा हो गया था और वित्तीय सलाहकारों ने सोना खरीदने की सलाह दी थी, लेकिन 1999 तक सोने के दाम अचानक ध्वस्त हुए, तो निवेश भी घटा। 1990-91 के दौर में भारत सरकार को सोना गिरवी रखना पड़ा था, ताकि सामान्य खर्च चलाए जा सकें। फिर उदारीकरण का दौर आया, सोना वापस ले लिया गया, भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर खुल गई। अब तो सोना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया है।

निवेशकों के लिए यह स्थिति एक संकेत है कि जब दुनिया में अनिश्चितता बढ़ती है तो वे सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों में पैसा लगाना पसंद करते हैं। यह ट्रेंड सोने को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बनाती है, खासकर जब वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक माहौल अस्थिर हो। हालांकि, भारत में सीन थोड़ा अलग है। शादी-ब्याह में सोने का चलन सिर्फ एक इन्वेस्टमेंट या आभूषण नहीं है। अलबत्ता, एक गहरी सांस्कृतिक, वित्तीय और सामाजिक परंपरा का हिस्सा है। सोने को अक्सर शादी की धुरी माना जाता है, जो सदियों से भारतीय विवाहों का एक जरूरी अंग रहा है। शादी जैसे पवित्र समारोहों में सोना पहनना या उपहार में देना बेहद शुभ माना जाता है। यह नवविवाहित जोड़े के लिए धन और सौभाग्य लाने की कामना को दर्शाता है। कई पीढ़ियों से चली आ रही रीति-रिवाजों के अनुसार, दुल्हन के लिए सोने के आभूषण (जैसे मंगलसूत्र, चूड़ियां, नथ) पहनना जरूरी होता है। लेकिन, सोने के दाम जिस कदर बढ़ गए हैं, उससे इस पर हाथ रखना भी मुश्किल हो गया है। यह शादी के बजट को पूरी तरह से गड़बड़ा सकता है।

मुद्दा

बेटियों को चाहिए शिक्षा, समानता और सुरक्षा

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस हर साल 11 अक्टूबर को मनाया जाता है ताकि बालिकाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और उनके अधिकारों के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। दुनियाभर में महिलाओं के प्रति बढ़ते अत्याचारों और असमानताओं जैसे भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, बाल विवाह एवं अशिक्षा को देखते हुए और उन्हें इन सभी समस्याओं से उबारने के लिए तथा उनके संरक्षण के उद्देश्य से ही हर साल अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। आजकल बालिका के सशक्तीकरण की चर्चा हमारी जुबान पर हर वक्त रहती है। सरकारी चर्चा शिक्षा, टीकाकरण, समान अधिकार देने, स्वास्थ्य, पोषण और बालिकाओं की घटती संख्या से आगे नहीं बढ़ती है। जबकि माता पिता को बालिका की सुरक्षा हर समय चिंतित रखती है। देश में बालिकाओं के साथ हो रही अनहोनी वारदातें निरंतर बढ़ती जा रही है। बेटियों के सशक्तीकरण की अनेक योजनाओं के संचालन के बावजूद आज समाज में बेटियों को सुरक्षा और संरक्षा का समुचित वातावरण नहीं मिल रहा है। आए दिन बालिकाओं पर होने वाले अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इसमें सबसे ज्यादा मामले छेड़छाड़ और दुष्कर्म के हैं। जमीनी सच्चाई बता रही है कि समाज और सरकार बालिकाओं की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित कर पाने में नकारा साबित हो रहा है। एक वर्ष की बच्ची से लेकर अधेड़ उम्र की महिला सुरक्षित नहीं है। माता पिता ढाई तीन साल की आयु में अपनी बेटी को स्कूल भेज देते हैं। जब तक बेटी सुरक्षित घर नहीं आजाती तब तक माँ की आँखे हर समय घर के दरवाजे को घूरती रहती है। राम राज्य की बातें करने वाले हमारे समाज को आखिर हो क्या गया है। हम किस रास्ते पर चल निकले है।

बेटी को जन्म से लेकर मृत्यु तक सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। हमारी संकुचित मानसिकता ही उनके विकास में अवरोधक बनी हुई है। आज बालिका हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के बाद भी अनेक सामाजिक कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उनके आगे बढ़ने में बाधाएँ उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इन कुरीतियों के शिकार है। आज भी हजारों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही मार दिया जाता है। समाज में कई घर ऐसे हैं, जहाँ बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जा रही है। यह दिवस बालिका शक्ति को लोगों के सामने लाने तथा उनके प्रति समाज में जागरूकता और चेतना पैदा करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस देश की एक सच्चाई यह है कि भारत में हर घंटे चार बच्चों को यौन शोषण का सामना करना पड़ता है। हमारे देश में कन्या भ्रूण हत्या में इजाफा हो रहा है। सेंटर फॉर रिसर्च के अनुसार पिछले 20 वर्षों में भारत में कन्या भ्रूण हत्या के कारण एक करोड़ बच्चियां जन्म से पहले काल की बलि चढा दी गईं। सभी को मिलकर इस कुरीति को मिटाना है। बाल विवाह, भ्रूण हत्या, शिशु मृत्यु दर रोके जाने, स्तनपान कराने, नियमित टीकाकरण, दहेज प्रथा एवं अन्य सामाजिक ज्वलंत विषयों में सुधार लाना चाहिए।

आजकल रोज प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मिडिया पर कही ना कहीं से लड़कियों पर हो रहे अत्याचार की खबर दिखाई जाती रहती है परंतु इसकी रोकथाम के उपाय पर चर्चा कहीं नहीं होती है। इस तरह के अत्याचार कब रुकेंगें। क्या हम सिर्फ मूक दर्शक बन खुद की बारी का इंतजार करेंगे। लड़कियों पर अत्याचार पहले भी हो रहे थे और आज भी हो रहे हैं अगर इसके रोकने के कोई ठोस उपाय नहीं किये गये। आज भी हमारे समाज में बलात्कारी सीना ताने खुले आम घूमता है और बेकसूर पीड़ित लड़की को बुरी और अपमानित नजरों से देखा जाता है। न तो समाज अपनी जिम्मेदारी का माकूल निर्वहन कर रहा है और न ही सरकार। ऐसे में बालिका कैसे अपने को सुरक्षित महसूस करेगी यह हम सब के लिए बेहद चिंता की बात है। संविधान और कानून बनाकर नारी के स्वाभिमान की रक्षा नहीं होगी। समाज पूरी तरह जागरूक और सचेत होगा तभी हम बालिका को सुरक्षा और संरक्षा की खुली हवा में साँस दिला पाएंगे।

नजरिया

मानव चेतना के संकट को अभिव्यक्त करते हैं लास्लो

हरीश शिवनानी

मोबाइल : 9829210036

कई दिनों की उत्कंठा के बाद आख़िरकार साहित्य का नोबेल पुरस्कार घोषित हो गया और इस बार भी किसी भारतीय को नहीं मिला। चर्चा थी कि अमिताव घोष या विनोद कुमार शुक्ल रवींद्रनाथ टैगोर की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे पर ऐसा हो न सका। नोबेल पुरस्कार देने वाली स्वीडिश अकादमी ने विश्व के इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए हंगरी के लेखक लास्लो क्रास्नाहोरकाई को चुना। ज्यूरी के मुताबिक लास्लो के लेखन में मानवता की नाजुकता और इतिहास की जटिलता को उजागर करने वाली गहन, अपोकैलिप्टिक (सर्वविनाशकारी) 'दृष्टि' है। यह लास्लो की अद्वितीय साहित्यिक उपलब्धियों और वैश्विक साहित्य में योगदान का प्रमाण है। क्रास्नाहोरकाई का साहित्य, जो अपनी जटिल संरचना, लंबे वाक्यों और दार्शनिक गहराई के लिए जाना जाता है, समकालीन विश्व की अस्थिरता और मानव चेतना के संकट को गहरे स्तर पर अभिव्यक्त करता है।

क्रास्नाहोरकाई का साहित्य साम्यवाद, फासीवाद और पूंजीवाद जैसे ऐतिहासिक और राजनीतिक ढांचों के प्रभावों को गहराई से खंगालता है।उनके उपन्यास, जैसे 'सतानटैंगो'और 'द मेलानकली ऑफ रेसिस्टेंस', साम्यवादी हंगरी के पतन और उसके बाद की अराजकता को चित्रित करते हैं। हालांकि, उनकी रचनाएं केवल ऐतिहासिक नहीं हैं; वे सार्वभौमिक हैं। लेखक के अनुसार, मानवता का संकट समय और स्थान से परे है। फियोना सैम्पसन का मानना है कि क्रास्नाहोरकाई का साहित्य वर्तमान विश्व की अस्थिरता को प्रतिबिंबित करता है, जहां लोकतंत्र और सभ्यता के ढांचे कमजोर पड़ रहे हैं। उनकी विचारधारा में मानव स्वभाव की नाजुकता और सत्ता के दुरुपयोग के प्रति गहरी चिंता झलकती है। क्रास्नाहोरकाई का मानना है कि मानव समाज बार-बार अपने ही बनाए ढांचों में उलझकर पतन की ओर बढ़ता है। उनकी रचनाएं व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों स्तरों पर इस पतन को चित्रित करती हैं। उदाहरण के लिए, सतानटैंगो' में एक छोटे से हंगेरियन गांव में सामूहिक भ्रम और निराशा का चित्रण साम्यवाद के पतन के बाद की सामाजिक और नैतिक रिक्तता को दर्शाता है।

क्रास्नाहोरकाई की लेखन शैली उनकी सबसे विशिष्ट विशेषता है। आलोचकों ने उनके लंबे, जटिल वाक्यों को संगीतमय और 'सम्मोहक' बताया है, जो पाठक को एक ट्रांस जैसी अवस्था में ले जाते हैं। उनकी रचनाएं पारंपरिक कथानक या संवाद पर निर्भर नहीं करतीं; इसके बजाय, वे चेतना के प्रवाह और आंतरिक एकालापों पर आधारित होती हैं। उनकी शैली फ्रांज़ काफ्का और थॉमस बर्नहार्ड की परंपरा को आगे बढ़ाती है, जिसमें एक ही वाक्य कई पृष्ठों तक चल सकता है, जैसे 'द मेलानकली ऑफ रेसिस्टेंस' में। यह शैली पाठक के लिए चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यही उनकी रचनाओं की गहराई का रहस्य भी है क्योंकि उनके वाक्य संरचना में एक दार्शनिक और काव्यात्मक गुणवत्ता है। उदाहरण के लिए, 'वार एंड वार' में एक पांडुलिपि के माध्यम से नायक की मानसिक अवस्था को उकेरा गया है, जो वास्तविकता और भ्रम के बीच की रेखा को धुंधला करती है। उनकी रचनाएं पारंपरिक कथानक की संरचना को तोड़ती हैं और पाठक को एक गहरे, लगभग ध्यानात्मक अनुभव में डुबो देती हैं।

क्रास्नाहोरकाई के उपन्यासों में प्रमुख थीम्स में अपोकैलिप्टिक (सर्वविनाशकारी) दृष्टि, सामाजिक पतन और मानव की अर्थ की खोज शामिल हैं। उनके उपन्यास 'इतिहास के अंत' की भावना को चित्रित करते हैं, जहां समाज अपने ही वजन के नीचे ढह रहा है। सतानटैंगो' में, एक गांव के निवासियों का एक रहस्यमय नेता के पीछे चल पड़ना इस बात का प्रतीक है कि कैसे लोग भ्रम और झूठे वादों में आसानी से फंस जाते हैं। यह उपन्यास साम्यवादी हंगरी के पतन के बाद की निराशा को दर्शाता है, लेकिन इसकी थीम्स सार्वभौमिक हैं, जो आज के लोकलुभावन और अस्थिर विश्व से भी मेल खाती हैं।

'द मेलानकली ऑफ रेसिस्टेंस' में, क्रास्नाहोरकाई सभ्यता के पतन और कला की शक्ति को एक सर्कस और एक विशाल व्हेल के प्रतीक के माध्यम से चित्रित करते हैं। यह उपन्यास सत्ता, भय और सामूहिक हिस्टीरिया के बीच तनाव को दर्शाता है। आलोचकों ने इस उपन्यास को आधुनिक विश्व की अराजकता का 'दर्पण' बताया है। उनके साहित्य में प्रतिरोध भी एक महत्वपूर्ण थीम है। उनके पात्र अक्सर अर्थहीनता और निराशा के खिलाफ लड़ते हैं, भले ही उनकी लड़ाई व्यर्थ लगे। बारन वाल्डहाइम में, एक संगीतकार अपनी कला के माध्यम से अराजकता के खिलाफ प्रतिरोध करता है, जो क्रास्नाहोरकाई की इस विश्वास को दर्शाता है कि कला, भले ही वह त्रासदीपूर्ण हो, मानवता की आखिरी उम्मीद हो सकती है।

उनके साहित्य का प्रभाव समकालीन लेखकों और पाठकों पर भी गहरा है। उनकी रचनाएं पाठकों को चुनौती देती हैं कि वे न केवल कहानी, बल्कि मानव अस्तित्व के मूलभूत सवालों पर विचार करें। वस्तुतः लास्लो क्रास्नाहोरकाई का साहित्य एक ऐसी दुनिया को दर्शाता है जो अस्थिरता, भय और अर्थ की खोज से भरी है। उनकी जटिल शैली, लंबे वाक्य और दार्शनिक गहराई उनके उपन्यासों को एक अनूठा अनुभव बनाती है। उनकी रचना यात्रा एक मानसिक और भावनात्मक यात्रा है। उनकी रचनाएं साम्यवादी हंगरी के संदर्भ से शुरू होकर वैश्विक मानवता के संकट को संबोधित करती हैं, जो उन्हें समकालीन साहित्य में एक महत्वपूर्ण आवाज बनाती हैं।

नोबेल पुरस्कार ने क्रास्नाहोरकाई को वह वैश्विक मंच प्रदान किया है, जिसके वे हकदार थे। उनके साहित्य की गहनता और जटिलता पाठकों को बार-बार उनके कार्यों की ओर लौटने के लिए प्रेरित करती है। उनके उपन्यासों को पढ़ना एक धीमी, चिंतनशील प्रक्रिया है, जो धैर्य मांगती है, लेकिन बदले में एक गहन अनुभव देती है।' क्रास्नाहोरकाई का साहित्य याद दिलाता है कि साहित्य केवल कहानियां नहीं सुनाता, बल्कि वह हमें हमारे समय, हमारे भय और हमारी आशाओं का सामना करने के लिए मजबूर करता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रशिक्षण

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव अधिकारी पटना बिहार में शुक्रवार को एक प्रशिक्षण सत्र में भाग लेते हुए।

रेखा के 71वें जन्मदिन पर मुजफ्फर अली ने 'उमराव जान' में उनके शानदार अभिनय को याद किया

नई दिल्ली/भाषा

मशहूर फिल्म निर्माता मुजफ्फर अली ने शुक्रवार को बॉलीवुड अभिनेत्री रेखा के 71वें जन्मदिन पर 'उमराव जान' में उनके अविस्मरणीय अभिनय को याद किया और कहा कि 1981 में प्रदर्शित इस फिल्म के मुख्य किरदार को उन्होंने जिस शिद्दत से निभाया, वैसा कोई और नहीं कर सकता था।

फिल्म 'उमराव जान' मिर्जा हादी रुसवा के 19वीं सदी के उर्दू उपन्यास पर आधारित एक 'पीरियड ड्रामा' थी। फिल्म के निर्देशक अली ने कहा कि तवायफ-शायरा उमराव जान के किरदार में जिस नजाकत और भावनात्मक तीव्रता की जरूरत थी, रेखा ने उसे पर्दे पर बखूबी पेश किया। अली ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, मैं रेखा को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं देता हूं। ईश्वर उन्हें लंबी उम्र दे। उनके जीवन में कई 'उमराव जान' आएं। उनकी आंखें और उनमें मौजूद जादू उनके किरदार के साथ पूरी तरह से मेल खाता था। इसलिए मुझे लगता है कि रेखा से बेहतर यह किरदार कोई और नहीं निभा सकता था। 'उमराव जान' फैजाबाद में जन्मी अमीरन नाम की एक लड़की की मार्मिक कहानी बयां करती है, जिसका उसके पिता के एक दुश्मन ने अपहरण कर लिया था और लखनऊ के एक वेश्यालय में बेच दिया था।

लखनऊ में अमीरन का नाम बदलकर उमराव जान रख दिया जाता है और उसे संगीत एवं नृत्य का प्रशिक्षण दिया जाता है। धीरे-धीरे वह अपने समय की सबसे प्रसिद्ध तवायफों में से एक बन जाती है। फिल्म की कहानी अमीरन के एक मासूम लड़की से अवध के नवाबों की महफिलों की जान बनने तक के सफर और उसके साथ आए भावनात्मक उतार-चढ़ावों को दर्शाती है।

अली ने कहा कि 'उमराव जान' में रेखा को मुख्य भूमिका में साइन करने का फैसला बिल्कुल सही था। उन्होंने कहा, रेखा से बेहतर इस किरदार को कोई नहीं निभा सकता था। वह इस किरदार की आत्मा में रची-बसी हैं। वह आज भी इस किरदार को जीती हैं। 'उमराव जान' से पहले वह जो थीं, वो थीं। लेकिन बाद में वह 'उमराव जान' बन गईं। और आज भी वह 'उमराव जान' हैं।'उमराव जान' ने चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार हासिल किए थे, जिनमें रेखा को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार भी शामिल है।

केदारनाथ धाम यात्रा

उद्योगपति मुकेश अंबानी श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी के साथ उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ धाम की यात्रा के दौरान।

भारत दुनिया के सामने खुद पेश करे अपनी कहानी, फिल्मों की अहम भूमिका: गौतम अदाणी

नई दिल्ली/भाषा

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने शुक्रवार को कहा कि भारत को सिनेमा, कहानी और उभरती प्रौद्योगिकियों के जरिये वैश्विक स्तर पर अपनी कहानी खुद पेश करने की जरूरत है। उन्होंने शिक्षण संस्थान 'व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल' में छात्रों और फिल्म-निर्माण पेशेवरों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर भारत ऐसा नहीं करता है तो विदेशी दृष्टिकोण से ही देश की छवि तय होगी।

अदाणी ने कहा, अगर हम यह नहीं बताते कि हम कौन हैं, तो दूसरे लोग तय करेंगे कि हम कौन थे। मौन विनम्रता नहीं, बल्कि आत्मसमर्पण है। उन्होंने 'गांधी' और 'स्लमडॉग मिलिनेयर' जैसी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत की कहानियां अक्सर पश्चिमी नजरिये से सुनाई गई हैं।

उन्होंने 2023 में अपने समूह के खिलाफ आई हिंडनबर्ग रिपोर्ट का भी जिक्र किया जिसके बाद अदाणी समूह के बाजार मूल्य में 100 अरब डॉलर से अधिक की गिरावट आ गई थी।

अदाणी ने इसे अदाणी समूह के खिलाफ 'संगठित हमला' करार देते हुए कहा कि यह अनुभव दिखाता है कि आज कहानियों की शक्ति बाजार एवं धारणा को वास्तविकता से कहीं अधिक तेजी से प्रभावित करती है।

अदाणी ने टॉप गन, इंडिपेंडेंस डे और अपोलो-13 जैसी अमेरिकी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा कि ये केवल मनोरंजन नहीं बल्कि राष्ट्रीय पहचान एवं शक्ति का वैश्विक प्रचार हैं। उन्होंने कहा कि भारत को भी अपने कथानक को असली, उद्देश्यपूर्ण और सशक्त तरीके से पेश करना चाहिए।

भविष्य में एआई की भूमिका पर बात करते हुए अदाणी ने कहा कि यह सिनेमा को बदल देगा, वास्तविक समय में कहानी की पेशकश, कई भाषाओं में प्रदर्शन और व्यक्तिगत कंटेंट की सुविधा मिल पाएगी। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे इन तकनीकों का उपयोग करके भारत की कहानी अपनी शर्तों पर और सच्चाई के साथ पेश करें।

अदाणी ने कहा, अगर हम अपने बारे में नहीं बताएंगे तो दूसरे हमारे बारे में बताएंगे। आपकी पीढ़ी ही भारत को उसकी आवाज़, गीत और कहानियां वापस लौटाएगी।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति दिसानायके ने अपने मंत्रिमंडल में पहला फेरबदल किया

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल में पहला फेरबदल किया। इस फेरबदल के बाद कैबिनेट में दिसानायके सहित कुल 23 सदस्य हो गए हैं, जो संविधान के तहत निर्धारित 25 सदस्यों की अधिकतम सीमा के भीतर है।यह दिसानायके द्वारा एक साल पहले नेशनल पीपुल्स पॉवर (एनपीपी) सरकार के गठन के बाद पहला कैबिनेट फेरबदल है। मंत्रिमंडल में शामिल नए चेहरों में सुसिल रणसिंघे को आवास मंत्री बनाया गया है। तीन मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया गया है, जिनमें सबसे बड़ा बदलाव परिवहन मंत्री बिमल रत्नायके से संबंधित है। उनके बंदरगाह और नागरिक उड्डयन विभाग अब अनुरा करुणातिलका को सौंप दिए गए हैं। इसके बदले में, करुणातिलका का शहरी विकास विभाग रत्नायके को दिया गया है, जो संसद में सदन के नेता भी हैं।

'पल्लो लटके' की एक झलक दिखाते हुए 'जटाधारा' के मेकर्स ने रिलीज़ किया गाने का रंगीन टीज़र

मुंबई/एजेन्सी

सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के अभिनय से सजी और ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जटाधारा' ने के दूसरे गाने 'पल्लो लटके' के पोस्टर ने जबरदस्त चर्चा बटोरनी शुरू ही की थी कि मेकर्स ने दर्शकों के रोमांच को और बढ़ाते हुए कल रिलीज होने जा रहे इस गाने का टीज़र रिलीज़ कर दिया है। हालांकि इस टीज़र के दीवानों के लिए पूरा गाना कल, यानी 10 अक्टूबर को रिलीज़ होगा। हाल ही में रिलीज हुए टीज़र में दर्शक इस भव्य गाने का जीवंत माहौल साफ़ तौर पर देख सकते हैं। सुधीर बाबू और श्रेया शर्मा की जोशीली केमिस्ट्री और एनर्जेटिक डांस मूव्स के साथ, 'पल्लो लटके' इस साल का सबसे बड़ा डांस नंबर बनने जा रहा है। हिंदी फिल्म जगत के एक लोकप्रिय गाने को आधुनिक, जोशीले और फूट-टैपिंग अंदाज़ में दोबारा पेश किया गया है। फिलहाल 'जटाधारा' एक भव्य सिनेमाई अनुभव बनने की ओर अग्रसर है, जो पौराणिकता, आस्था और लोककथाओं को जोड़कर एक रोमांचक कहानी के रूप में प्रस्तुत करता है।

फिल्म में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के साथ दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कंनकाला और सुभलेखा सुधाकर भी नज़र आएंगे। यह फिल्म अच्छाई बनाम बुराई, प्रकाश बनाम अंधकार और मानव इच्छा बनाम दैवीय नियति की जंग को दर्शाती है। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत जटाधारा के निर्माता हैं उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा, जबकि सह-निर्माता हैं अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा। फिल्म की क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भावना गोस्वामी हैं। फिल्म का शानदार संगीत ज़ी म्यूज़िक कंपनी द्वारा प्रस्तुत किया गया है। 'जटाधारा' 7 नवंबर को हिंदी और तेलुगु भाषाओं में रिलीज़ होगी।

रेखा और रकुल प्रीत सिंह : जिन्होंने बॉलीवुड से लेकर साउथ सिनेमा तक बनाई अपनी अलग पहचान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा भारतीय फिल्मों की दुनिया में अलग-अलग और खास पहचान रखते हैं, लेकिन कुछ कलाकार ऐसे भी हैं जिन्होंने दोनों ही इंडस्ट्रीज में राज किया। रेखा और रकुल प्रीत सिंह ऐसे ही दो नाम हैं, जिन्होंने अपनी अदाकारी से न सिर्फ बॉलीवुड, बल्कि साउथ इंडस्ट्री में भी अपनी पहचान बनाई। दोनों ने अपनी मेहनत और टैलेंट से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। जहां बॉलीवुड हिंदी फिल्मों के लिए मशहूर है, वहीं साउथ फिल्म इंडस्ट्री में तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम जैसी भाषाओं की फिल्मों का इतिहास शामिल है। अगर बात करें अभिनेत्री रेखा की, तो उनका जन्म 10 अक्टूबर 1954 को बैंगलोर में हुआ था। उन्होंने अपने लंबे करियर में कई यादगार फिल्में दीं। रेखा ने हिंदी फिल्मों के अलावा तमिल, कन्नड़ और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया। 1970 के दशक में रेखा ने बॉलीवुड में कदम रखा और जल्दी ही अपनी दमदार अदाकारी के लिए जानी जाने लगीं। उनकी फिल्मों में 'सिलसिला', 'उमराव जान', 'जानी दुश्मन', 'चश्मे बद्दूर', 'मिस्टर नटवरलाल', और 'खूबसूरत' जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं। रेखा को अपने अभिनय के लिए कई पुरस्कार भी मिले, जिनमें फिल्मफेयर पुरस्कार प्रमुख हैं। उनका अभिनय सिर्फ एक्शन या रोमांस तक सीमित नहीं था। वह अपनी फिल्मों में अलग-अलग किरदारों को जादुई तरीके से निभाती थीं।

रेखा ने कन्नड़ फिल्म 'ऑपरेशन जैकपॉट नल्ली सीआईडी ङ्क्ष999' और तेलुगु फिल्म 'रंगुला रत्नम' में बाल किरदार निभाया था वहीं दूसरी ओर, रकुल प्रीत सिंह की बात करें, तो उनका जन्म 10 अक्टूबर 1990 को नई दिल्ली में हुआ। वह एक नई पीढ़ी की अभिनेत्री हैं, जिन्होंने अपनी खूबसूरती और अभिनय से जल्दी ही फिल्मों में नाम कमाया। रकुल ने कन्नड़ फिल्म 'गिल्ली' से अपना फिल्मी सफर शुरू किया, लेकिन उनकी खास पहचान साउथ इंडस्ट्री की तमिल और तेलुगु फिल्मों में बनी। उन्होंने तमिल, तेलुगु और कन्नड़ के अलावा हिंदी फिल्मों में काम किया है। बॉलीवुड में उन्होंने साल 2014 में 'यारियां' फिल्म से डेब्यू किया। उनके करियर में 'यारियां', 'दे दे प्यार दे', 'मरजावां', 'छतरीवाली', और साउथ की 'ध्रुवा' जैसी कई सफल फिल्में शामिल हैं। रकुल का अभिनय स्टाइल युवा पीढ़ी को पसंद आता है।

वे अपनी फिटनेस और ग्लैमर के लिए भी जानी जाती हैं। रकुल ने बॉलीवुड और साउथ दोनों ही इंडस्ट्री में काम करके एक ऐसी जगह बनाई है, जहां वे दोनों की प्रशंसा बटोर रही हैं। रेखा और रकुल के बीच सबसे बड़ी समानता यह है कि दोनों ने दो अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्रीज में अपनी पहचान बनाई। रेखा ने जहां 70 और 80 के दशक में हिंदी फिल्मों के साथ-साथ साउथ की फिल्मों में भी काम किया। वहीं रकुल ने 2000 के दशक के बाद अपनी शुरुआत साउथ फिल्मों से की और फिर बॉलीवुड में भी अपने अभिनय का जलवा दिखाया। दोनों ने अपनी फिल्मों के जरिए अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों के दर्शकों को जोड़ा है।

सोनम बाजवा का 'एक दीवाने की दीवानियत' ट्रेलर आउट

मुंबई/एजेन्सी

रोमांटिक ड्रामा एक दीवाने की दीवानियत का ट्रेलर जैसे ही 8 अक्टूबर 2025 को रिलीज़ हुआ, सोशल मीडिया पर बस एक ही नाम गूंज उठा सोनम बाजवा। फिल्म में सोनम के साथ हैं हैंडसम हंक हर्षवर्धन राणे, और इसे डायरेक्ट किया है मिलाप ज़वेरी ने। कहानी भले ही मेकर्स ने अभी तक छुपाकर रखी है, लेकिन ट्रेलर से साफ है कि इस बार लव स्टोरी में इमोशन, जुनून और हार्टब्रेक का तड़का तिहरे डोज़ में मिलेगा! फिल्म 21 अक्टूबर को दिवाली रिलीज के लिए तैयार है, और इसका टैगलाइन ही बता देता है कि ये कोई आम लव स्टोरी नहीं इस दिवाली, इतिहास में पहली बार रावण खुद सीता को घर छोड़ने आएगा!

रिलीज़ के कुछ ही घंटों में ट्रेलर ने 70 हज़ार से ज़्यादा व्यूज़ पार कर लिए फैन्स बोले, यही तो है असली दिवाली धमाका! पर असली शोस्टॉपर हैं हमारी सोनम बाजवा, जो इस बार अपने अब तक के सबसे इंटेंस अवतार में नज़र आ रही हैं। अब तक क्यूट, ग्लैमरस और एक्शन से भरे किरदार निभाने वाली सोनम ने इस बार दिल और दिमाग दोनों जीत लिए हैं।

हुमा कुरैशी की 'महारानी' सीरीज का चौथा सीजन नवंबर में सोनी लिव पर आएगा

मुंबई/भाषा

राजनीतिक घटनाक्रम पर आधारित सीरीज महारानी के चौथे सीजन का सात नवंबर से सोनी लिव पर प्रसारण होगा। ओटीटी मंच ने यह घोषणा की। ओटीटी मंच ने एक बयान में कहा कि नए सीजन में मुख्य किरदार रानी भारती एक अलग रूप में नजर आएंगी, जिसे अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने निभाया है। बयान के अनुसार रानी भारती का सफर हमेशा से ही मुश्किलों का सामना करने वाला रहा है, लेकिन इस सीजन में उनकी महत्वाकांक्षाएं एक नए मुकाम पर पहुंच गई हैं। गृहिणी से लेकर मुख्यमंत्री तक रानी भारती ने बिहार की राजनीति में तहलका मचा दिया है। कुरैशी ने कहा, अब वह देश के सबसे कठिन युद्धक्षेत्र में उतर रही हैं। दांव राष्ट्रीय स्तर पर हैं, सत्ता का खेल और भी क्रूर है और हर कदम उन्हें बना या बिगाड़ सकता है। यह रानी का अब तक का सबसे साहसी संस्करण है।

महारानी का चौथा अध्याय पुनीत प्रकाश द्वारा निर्देशित, कांगड़ा टॉकीज प्राइवेट लिमिटेड और सुभाष कपूर द्वारा निर्मित है। शो के पहले सीजन का प्रसारण 2021 में हुआ था, जिसमें कुरैशी को भारती के रूप में पेश किया गया था। भारती एक ग्रामीण महिला है जिसे उसके पति और नेता भीमा भारती (सोहम शाह) ने बिहार की मुख्यमंत्री बनाने के लिए चुना है। इसके दूसरे सीजन (2022) में रानी को राजनीति के बारे में सीखते हुए देखा गया क्योंकि उस पर कुशासन का आरोप लगाया जाता है और उसे अपने सबसे बड़े दुश्मन, अपने पति का सामना करना पड़ता है।तीसरे सीजन का प्रसारण 2024 में सोनी लिव मंच पर हुआ जिसका समापन रानी द्वारा पति भीमा की हत्या के षड्यंत्रकारियों से बदला लेने के साथ होता है। चौथे सीजन में कुरैशी के अलावा श्वेता बसु प्रसाद, विपिन शर्मा, अमित सियाल, विनीत कुमार, शार्दुल भारश्रे, कनी कुसरुति और प्रमोद पाठक भी शामिल हैं।

मैं कभी सिनेमा में नहीं आना चाहता था, मुझे किताबों से प्यार था : गुलजार

मुंबई/भाषा। वरिष्ठ गीतकार और फिल्म निर्माता-निर्देशक गुलजार का कहना है कि उन्होंने कभी सिनेमा में करियर बनाने की कल्पना नहीं की थी क्योंकि उनका पहला प्यार हमेशा साहित्य रहा है। फिल्म निर्माता सुभाष घई के फिल्म संस्थान 'व्हिसलिंग वुड्स' में बुधवार शाम को आयोजित 'सेलिब्रेट सिनेमा 2025' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए गुलजार (91) ने कहा कि वह एक पाठक और लेखक बनने का सपना देखने वाले व्यक्ति के रूप में किताबों के प्रति गहराई से आकर्षित थे। उन्होंने कहा, मैं कभी सिनेमा में नहीं आना चाहता था और न ही सिनेमा के लिए लिखना चाहता था और मैं सिनेमा में काम के प्रस्तावों को ठुकरा देता था। मुझे किताबों का बहुत शौक था, मुझे किताबों से प्यार था। मैं खूब किताबें और साहित्य पढ़ता था। रावी पार, त्रिवेणी, बॉस्की का पंचतंत्र, एक्चुअली... आई मेट देम: ए मेमॉयर जैसी किताबों के लेखक गुलजार ने कहा, मैं विपश्यना लघु कथाओं की किताबों पर अपना नाम लिखवाना पसंद करता और देखता कि मेरा नाम किताब पर कैसा दिखता है? मैं फिल्में देखता था लेकिन मुझे सिनेमा से उतना प्यार नहीं था कि मैं निर्देशक बनना चाहता, यह प्यार तब शुरू हुआ जब मैं सिनेमा से जुड़ा।

स्वतंत्रता-पूर्व पंजाब (अब पाकिस्तान में) में संपूर्ण सिंह कालरा के रूप में जन्मे गुलजार को भारतीय सिनेमा के सबसे काव्यात्मक कहानीकारों में से एक माना जाता है। उन्होंने 1956 में अपना करियर शुरू किया और बिमल रॉय की फिल्म बंदिनी (1963) में एक गीतकार के रूप में अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने मोरा गोरा अंग लई ले गीत लिखा, जो तुरंत ही लोकप्रिय हो गया। गुलजार ने बताया कि रॉय से उनकी मुलाकात उनके मित्र देबू सेन के कहने पर हुई थी, जो फिल्म निर्माता तथा प्रसिद्ध गीतकार शैलेन्द्र के सहायक थे। उन्होंने कहा, एक फिल्म बन रही थी जिसका नाम था 'बंदिनी', सचिन दा (एसडी बर्मन) शैलेंद्र से नाराज थे और मुझे याद है कि मैं साहित्य सभा में शैलेंद्र से मिला था, वह मुझसे वरिष्ठ थे।

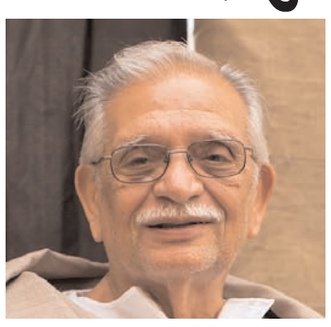

गुलजार ने कहा, उन्होंने एक बार मुझसे कहा था, 'तुम्हें क्या लगता है...फिल्म उद्योग में काम करने वाले लोग अनपढ़ हैं? तुम बिमल रॉय के साथ काम

क्यों नहीं करते, लोग बिमल रॉय के साथ काम करने के लिए तरसते हैं। वह मुझे बिमल रॉय से मिलवाने ले गए। उनके अनुसार, फिल्म निर्माता बिमल रॉय शुरू में इस बात को लेकर असमंजस में थे कि क्या वह बंदिनी के लिए गीत लिख सकते हैं क्योंकि रॉय वैष्णव कविता में पारंगत किसी व्यक्ति की तलाश में थे, जो ईश्वर के प्रति प्रेम पर केंद्रित एक भक्ति शैली है। गुलजार ने कहा, बिमल दा ने मुझसे हिंदी में कहा, 'तुम लिखोगे?' उनका व्यक्तित्व इतना विशाल था कि मैं बस यही कह सका, 'मैं इसे लिखूंगा। फिर सचिन दा ने धुन दी और इस तरह 'मोरा गोरा अंग लई ले मोहे शाम रंग दई दे' गीत बना। परिचय, कोशिश, आंधी, माचिस और हू तू तू जैसी प्रशंसित फिल्मों के निर्देशक गुलजार ने कहा, उन्हें बंदिनी का एक गीत लिखने का मौका मिला क्योंकि बर्मन और शैलेन्द्र के बीच विवाद हो गया था, जिन्होंने फिल्म के अधिकतर गीत लिखे थे।

इसके बाद रॉय असमंजस में पड़ गए और उन्होंने उस समय के उभरते लेखक गुलजार को लेने का निर्णय लिया, जिनकी सिफारिश स्वयं शैलेन्द्र ने फिल्म निर्माता से की थी। वरिष्ठ लेखक-गीतकार के साथ फिल्म निर्माता सुभाष घई, गीतकार कौसर मुनीर और सलीम आरिफ भी थे। यह सत्र 'कविता और संगीत' पर आधारित था।

गुलजार ने कहा, संगीत और कविता महत्वपूर्ण हैं, सिनेमा में भी ये मौजूद हैं क्योंकि ये हमारी संस्कृति का हिस्सा हैं। ये पीढ़ियों से हैं। दोनों माध्यम आज भी याद किए जाते हैं। उन्होंने भारतीय संगीत को विश्व स्तर पर लोकप्रिय बनाने का श्रेय संगीतकार ए आर रहमान को दिया। उन्होंने कहा, शुरुआत में, जब हम अंतरराष्ट्रीय बाजारों में फ़िल्में निर्यात करते थे तो फिल्मों से गाने हटा दिए जाते थे लेकिन आज भारतीय संगीत अपनी लोकप्रियता के चरम पर पहुंच गया है और गाने जोड़ने की मांग बढ़ रही है और इसका श्रेय एआर रहमान को जाता है। गुलजार ने रहमान के साथ जय हो, छैया छैया और तेरे बिना जैसे लोकप्रिय गीतों पर काम किया है। उन्होंने कहा, रहमान ने उनके शब्दों को व्यवस्थित करके इसके लिए एक बाजार बनाया और यह सब प्रासंगिक है। सत्र के बाद एक सवाल के जवाब में गुलजार ने कहा कि उन्होंने समय के साथ चलना सीख लिया है। गुलजार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैंने अपने गुरु से जो सीखा है, उसे प्रस्तुत करता हूं और मैं किसी को कुछ दिखा नहीं रहा हूं, मैं तो बस खुद को उजागर कर रहा हूं। अगर कोई कुछ सीख सकता है तो यह उस पर निर्भर है। मैं युवा पीढ़ी से सीख रहा हूं। मुझे नहीं लगता कि मैंने कुछ हासिल किया है जो मैं अगली पीढ़ी को दे सकूं, मैं उनके साथ चलने की कोशिश कर रहा हूं और इस पीढ़ी से सीख रहा हूं। घई ने अपने संस्थान 'व्हिस्लिंग वुड्स' अकादमी में कविता और साहित्य का एक नया पाठ्यक्रम भी शुरू किया, जिसका उद्घाटन गुलजार, मुनीर और आरिफ ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शनिवार | 11-10-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में शुक्रवार को उपस्थित भक्तजनों को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वर जी ने कहा कि हिन्दू व जैन समाज को सारे काम छोड़कर सबसे पहले कन्याओं और महिलाओं को बचाने का कार्य करना होगा।

अज्ञान का अंधकार मिटाने वाली है प्रभु की वाणी : साध्वी धैर्याश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। 'भगवान महावीर ने अपने अंतिम उपदेश काल में, मोक्ष से पूर्व के अंतिम 16 प्रहरों में समस्त जीवों के कल्याण हेतु उपदेश दिया। इस सूत्र में आत्मा के उत्थान, कर्मबंधन से मुक्ति और मोक्षमार्ग की स्पष्ट दिशा प्रदान की गई है। इस आगम में निहित प्रत्येक गाथा, प्रत्येक शब्द आत्मबोध का दीपक है। 'ये विचार श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सनगार्डन में विराजित साध्वी आगमश्री ने प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रभु महावीर की वाणी ही जैन धर्म का जीवन-स्रोत है और उसका सबसे गूढ़ सार उत्तराध्ययन सूत्र में सन्निहित है। इस सूत्र का गहन अध्ययन करने वाला व्यक्ति स्वयं प्रभु के पथ पर अग्रसर होता है। इसमें गुरु-भक्ति, संयम, मैत्री, करुणा, क्षमा, और आत्मनिरीक्षण का गहन विवेचन किया गया है। प्रभु महावीर की वाणी में यही संदेश है कि जब तक अहंकार, क्रोध, लोभ और मोह हमारे भीतर हैं, तब तक आत्मा बंधन में है। जब साधक इन कषायों को त्यागकर समता में स्थित होता है, तभी मोक्षमार्ग प्रशस्त होता है।

जो स्वयं को जीतता है, वही सच्चा विजेता है। बाह्य युद्ध का कोई मूल्य नहीं, आत्म-जीत ही परम विजय है। आज के युग में जब भौतिकता ने मानव को उलझा दिया है, तब उत्तराध्ययन सूत्र की शिक्षा और भी प्रासंगिक हो गई है।

साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि प्रभु की वाणी ही वह दिव्य दीपशिखा है जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर आत्मा के स्वरूप का साक्षात्कार कराती है। जब-जब हम इस सूत्र का अध्ययन करते हैं, तब-तब हम प्रभु महावीर के साक्षात सान्निध्य का अनुभव करते हैं। यह सूत्र केवल सुनने योग्य नहीं, बल्कि जीने योग्य है। यही आत्मकल्याण का सच्चा द्वार है। सभा में तप चन्द्रिका आगमश्री के 87वें आयम्बिल तप के उपलक्ष्य में अनुमोदना की गई। संघ के मंत्री सज्जनराज बोहरा ने संचालन किया।

हर हालत में कन्याओं और महिलाओं की हो रक्षा : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में शुक्रवार को उपस्थित भक्तजनों को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वर जी ने कहा कि हिन्दू व जैन समाज को सारे काम छोड़कर सबसे पहले कन्याओं और महिलाओं को बचाने का कार्य करना होगा। चारों ओर से अपने समाज के नारीवर्ग को फंसाने, बरबाद करने और अपनी सामाजिक व्यवस्थाओं को नष्ट करने के अनेक षडयंत्र चल रहे हैं। दुर्भाग्य है कि इन षडयंत्रों में अपने समाज की युवतियां फंसती जा रही हैं। जैनाचार्य ने कहा कि डांस सिखाने वाले कोरियोग्राफर अपने समाज की नारी जाति का बहुत फायदा उठा रहे हैं। सामान की होम डिलीवरी करती एजेंसियों के लोग भी अवसर देखकर अपनी बहू-बेटियों को तबाह कर रहे हैं। पुरुषवर्ग अक्सर नौकरी-पेशे और व्यापार में व्यस्त रहता है। एकांत पाकर अपनी कन्याओं और महिलाओं का शिकार करने की भरपूर कोशिशें हो रही है। रही सही कसर पूरी करने प्री-वेडिंग शूट आ गये हैं। अत्यंत उद्भट वस्त्र परिधान के साथ साड़ी पार्लर, महेंदी क्लासेज, ब्यूटी पार्लर, सिंगिंग क्लासेज, फैशन डिजायनिंग की क्लासेज धड़ल्ले से चल रही हैं, जिनमें महिलाओं के अतिरिक्त पुरुष मास्टर और ट्रेनर के रूप में काम कर रहे हैं। उन्मुक्तता की कोई सीमा नहीं बची है। कोई रोकने टोकने वाला दिखाई नहीं दे रहा। नारी स्वतंत्रता के नाम पर हिन्दू और जैन समाज का भविष्य अंधकार के गहरे गर्त में समा रहा है। जिम और फिटनेस के नाम पर ट्रेनर हमारी कन्याओं और महिलाओं के साथ बदतमीज़ीयां कर रहे हैं। मौजशौक में मशगूल अपना नारीधन चाहे-अनचाहे सब स्वीकार कर रहा है। कुछ ही वर्षों में ये सारे तौर तरीके अपने समाज के सर्वनाश के कारण बनेंगे। वक्त रहते इन्हें रोकने के कठोर कदम उठाने पड़ेंगे। मानकर चलिये, जिस समाज की कन्याओं और महिलाओं को अगवा कर दिया गया, उस समाज के पास सत्व और शक्ति के रूप में कुछ नहीं बचेगा ! सौंदर्य प्रतियोगिताएं भी सोची समझी नीति के अंतर्गत दुनिया में लाई गई हैं। अपने समाज की मासूम कन्याओं और महिलाओं को यह आभास ही नहीं हो रहा कि उनके साथ क्या खेल हो रहा है।ङ्कगणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि शील-सदाचार से बढ़कर कोई संपत्ति नहीं है। जिसके पास शील की रक्षा और सदाचार के परिपालन का ध्येय नहीं, उसे नष्ट होने से कोई शक्ति बचा नहीं सकती। जो समाज अपने सदाचार की रक्षा नहीं कर सकता, वह उन्नति कैसे करेगा ? सदाचार ही सामाजिक व्यवस्था का प्रथम सोपान है। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि यहां पहली बार घंटाकर्ण वीर का विराट पूजन हवन अनुष्ठान आयोजित किया गया। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर जी ने सभी मंत्रविधान संपन्न करवाए। संघ के सचिव हरीश शाह ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

संयम ही जीवन है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र के 14 दिवसीय सूत्र स्वाध्याय साधना के द्वितीय दिवस पर कहा कि प्रभु महावीर ने साधना मार्ग की भूमिका रूप मनुष्यत्व की दुर्लभता को महान बतलाते हुए उसके साथ श्रुत, श्रद्धा और संयम पराक्रम सम्यक आचरण रूप इन चारों अंग की प्राप्ति को मानव के लिए दुर्लभ बताया। मनुष्य जन्म धर्म से, तो मानवता कर्म से मिलती है। मानवता के लिए पुरुषार्थ करना पड़ता है। पुरुषार्थ के बिना मानवता की प्राप्ति नहीं होती है। संयम की साधना इस मानव जीवन में ही संभव है, अन्य गतियों में यह संयम धर्म की साधना पूर्णरूपेण नहीं हो सकती है। श्रद्धा को परम दुर्लभ बताते हुए मुनिश्री ने कहा कि बिना श्रद्धा के भी धर्म में प्रवृत्ति, विकास संभव नहीं है। श्रद्धा से ही मुक्ति पद का द्वार खुल सकता है। श्रद्धा की उपजाऊ उर्वरित भूमि में ही संयम की फसल उग सकती है। अगर आपकी धर्म साधना आराधना में श्रद्धा डावांडोल हुई तो आगे आपके लिए मुक्ति पद पाने की राह कठिन हो सकती है। अतः साधक को अपने धर्म पर मजबूत अडिग आस्था, श्रद्धा रखनी चाहिए। राजनीति में जहां किसी पर भी भरोसा नहीं रखने की अवधारणा है तो धर्म अपने शत्रु पर भी भरोसा, प्रेम, स्नेह, सौहार्द भाव को अपनाने के सिद्धांतों की बात करता है।प्रभु महावीर ने प्रश्न व्याकरण सूत्र में संयम को ही जीवन की साधना बतलाया है।

संयम जीवन है और असंयम मृत्यु है। ङ्कश्री शालिभद्र मुनिजी ने धर्म सभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराधययन सूत्र की गाथाओं का सामूहिक रूप से सस्वर स्वाध्याय पारायण करवाया। समिति की ओर से आज की श्रुत साधना में सहयोगी बने ईटा स्थानकवासी जैन महिला मंडल का धन्यवाद आभार प्रकट किया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न उपनगरों से तथा बाहर गांव से भी अनेक संघ के सदस्य उपस्थित थे।

जो आज है वह कल नहीं होगा, यही अटल सत्य है : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में प्रभु महावीर के निर्वाण उत्सव पर प्रभु की शिक्षा सूत्रों का श्रवण चल रहा है। इस मौके पर मुनिश्री ने कहा कि प्रभु वाणी से भूतकाल में लाखों जीवों का कल्याण हुआ। वर्तमान में हजारों प्राणी उनके पथ पर चलने का प्रयास कर रहे हैं। भविष्य में भी हजारों लोग इस पथ पर चलने का प्रयास करते रहेंगे। भगवान की वाणी ने हजारों के जीवन की नैया पार की है। जैसे अर्जुन ने मुक्ति पाई वैसे ही परदेसी भी तर जाएंगे। भगवान की वाणी बहुत ही अनमोल है। इसको श्रवण करने का जो मौका मिला है उससे चूकना नहीं चाहिए। वाणी सुन कर कई राजा भी संसार का वैभव ठुकरा कर दास बन गए। हजारों हत्यारों ने भी वाणी सुन कर अपने जीवन का कल्याण किया है। भगवान की वाणी आज भी कल्याणकारी है। ङ्कमुनिश्री ने कहा कि उत्तराध्ययन सूत्र का चौथा अध्ययन छोटा है लेकिन उसमें ही बहुत कुछ है। छोटे वचन भी गहरे होते हैं। संसार में सब चीजें बिगड़ कर सुधर सकती हैं लेकिन आयु का अंत आया तो कभी नहीं सुधरेगा। घर, भोजन, सब्जी, फर्नीचर बिगड़ जाए तो सुधर सकती है। लेकिन आयु की अंत कभी नहीं सुधर सकता है। यहां किसी की सिफारिश नहीं चलती है। समय आ गया तो जाना ही पड़ेगा। मनुष्य को अपना दर्द अपने को ही भोगना पड़ता है। ऐसा जान कर मनुष्य भव बेकार नहीं करना चाहिए। एक बार पेड़ का पत्ता झड़ गया तो उसे वापस जोड़ना संभव नहीं होगा। दुनिया का पाप करके धन इकट्ठा कर रहे हैं लेकिन यह कहीं काम नहीं आएगा। जब अंत समय आएगा तो धन दौलत परिवार के लोग सब यहीं रहेंगे। साथ में कोई जाने वाला नहीं है। मनुष्य भव वापस मिलना नहीं है। किए हुए कर्मों को भोगने के बिना किसी को मोक्ष नहीं मिलेगा। जो कर रहे हैं वह भोगना ही पड़ेगा। मनुष्य का धन उसको प्राण नहीं देगा। परिग्रह और धन दौलत के कारण बहुत अनर्थ कर रहा है। इसको लेकर ही बेटा बाप से लड़ता है, भाई से लड़ता है लेकिन जब अंत समय आता है तो वही धन उसको काम नहीं आता है। पांचवां अध्ययन अटल सत्य है। जो आता है वह जाता है, जो उगेगा वह ढलेगा यही अटल सत्य है लेकिन मानव इसको अनदेखा कर रहा है। सूर्य उगता है तो अस्त भी होता है। मनुष्य भव मिलता है और जाता है यह अटल सत्य है। भगवान से अंत समय चित्त भगवान में रहे यही प्रार्थना करनी चाहिए। पांचवां अध्ययन मरण सुधारने का होता है। मनुष्य का जीवन अच्छा है लेकिन मरण उससे भी अच्छा होना चाहिए। भगवान से यही प्रार्थना करनी चाहिए।

करवा चौथ का व्रत नारी की श्रद्धा, संयम और समर्पण का प्रतीक : डा.वरुण मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित डा. वरुण मुनि ने शुक्रवार को करवा चौथ के अवसर पर अपने प्रवचन में कहा कि स्त्री ही परिवार की आत्मा है, उसके व्रत, उपवास और आस्था से घर में शांति, समृद्धि और सौहार्द का वातावरण निर्मित होता है। मुनिश्री ने करवा चौथ को केवल बाह्य आडंबर का नहीं, बल्कि आंतरिक साधना और आत्मसंयम का पर्व बताया। उन्होंने उपस्थित सभी महिलाओं को यह प्रेरणा दी कि वे नारीशक्ति के रूप में आध्यात्मिक दृढ़ता, त्याग और प्रेम के गुणों को जीवन में आत्मसात करें। आशीर्वचन देते हुए मुनिश्री ने कहा कि जब नारी अपने मन में प्रेम, विश्वास और संयम की ज्योति जलाती है, तब संपूर्ण परिवार का जीवन प्रकाशित हो उठता है। करवा चौथ व्रत केवल पति की दीर्घायु का नहीं, बल्कि समग्र पारिवारिक सुख-सौभाग्य का मंगल पर्व है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाएँ उपस्थित रहीं, जिन्होंने गुरुश्री के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन मंगल भावना, प्रार्थना, सामूहिक पच्चखान व मंगल पाठ के साथ हुआ।

नाबालिग लड़की दुष्कर्म और हत्या मामला

पुलिस ने आरोपी को पैर में गोली मारने के बाद पकड़ा

मैसूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक के मैसूरु में एक नाबालिग लड़की से कथित तौर पर दुष्कर्म करने और उसकी हत्या करने वाले व्यक्ति के पैर में पुलिस ने गोली मारी और उसे पकड़ लिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी के पैर में उस समय गोली मारी जब वह भागने की कोशिश कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि कार्तिक नाम के आरोपी का पता सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी निगरानी की मदद से लगाया गया।

पुलिस ने बताया कि यहां एक अस्थायी तंबू में अपने परिवार के साथ सो रही लड़की का संदिग्ध द्वारा कथित तौर पर अपहरण किया गया और उससे दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, कलबुर्गी की रहने वाली नौ वर्षीय लड़की अपने परिवार के साथ दशहरा उत्सव के दौरान गुब्बारे बेचने के लिए मैसूरु आई थी और उत्सव समाप्त होने के बाद बृहस्पतिवार को अपने गांव वापस जाने वाली थी।

पुलिस ने बताया कि सिद्धलिंगपुरा निवासी कार्तिक (31) चामराजनगर जिले के कोल्लेगल में मिला जहां वह अपराध करने के बाद निजी बस पर सवार होकर भाग गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने बृहस्पतिवार शाम टीम को देखकर भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उसके पैर में गोली मार दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है और छुट्टी मिलने के बाद उसे अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बच्ची अपने परिवार के साथ एक अस्थायी टेंट में सो रही थी और बृहस्पतिवार तड़के बारिश के कारण उसके परिवार की नींद खुली तो उन्होंने देखा कि बच्ची गायब है तथा लड़की का शव इंदिरा नगर में दशहरा प्रदर्शनी मैदान के पास स्थित उनके अस्थायी टेंट से कुछ मीटर की दूरी पर मिला।

पुलिस ने बताया कि नजरबाद पुलिस थाने में दुष्कर्म और हत्या और पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी कार्तिक पर दुष्कर्म के प्रयास समेत दो मामले पहले से ही दर्ज हैं और वह हाल ही में जेल से रिहा हुआ था। पुलिस ने बताया कि आरोपी तक पहुंचते ही उसे आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी गई लेकिन उसने इनकार कर दिया और पुलिस ने हवा में गोली चलायी। पुलिस ने बताया कि कार्तिक ने एक पुलिसकर्मी पर बोतल से हमला भी किया जिससे वह घायल हो गया और उसके बाद पुलिस ने उसके पैर में गोली मारी।

ईको फ्रेंडली दीपावली फेस्टिवल के लिए जागरूकता प्रारंभ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर की अणुव्रत समिति गांधीनगर के तत्वावधान में मुनि डॉ. पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में विकास सौधा में कर्नाटक के योजना विकास मंत्री डी.सुधाकर द्वारा 'ईको फ्रेंडली दीपावली' कार्यक्रम के बैनर का अनावरण किया। इस अवसर पर मुनि पुलकित कुमार जी ने अणुव्रत आंदोलन की जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 76 वर्षों से आचार्य श्री तुलसी द्वारा जन जन के विकास के लिए मानव को मानव समझा जाए उसके लिए एक आंदोलन प्रारंभ किया था। मुनिश्री ने बताया कि अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य श्री तुलसीजी की 112 वीं जयंती 23 अक्टूबर को मनाने जा रहे हैं। मंत्री सुधाकर ने अणुव्रत समिति के कार्यों की सराहना की। समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल ने संस्था के कार्यों की जानकारी दी। मीडिया प्रभारी कविता जैन ने बताया कि समिति नशा मुक्ति, नैतिकता और सद्भावना के विचारों को लेकर जन जागृति की अलख जगा रही है। समिति के मंत्री लाभेश कांसवा ने फ्रेंडली दीपावली फेस्टिवल की जानकारी दी। इस मौके पर समिति के सलाहकार कन्हैयालाल चिप्पड़ सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। समिति की ओर से मंत्री का सम्मान किया गया।

लांच

पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर (बाएँ), पत्नी अंजलि (बीच में) और बेटी सारा के साथ मुंबई में एक नए स्पोर्ट्स फुटवियर और परिधान ब्रांड टेन एक्स यू के लॉन्च के दौरान।

कर्नाटक सरकार का मासिक धर्म अवकाश का निर्णय ऐतिहासिक, दूसरे राज्य भी अनुसरण करें : महिला कांग्रेस

नई दिल्ली। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस ने 'मासिक धर्म अवकाश' से जुड़े कर्नाटक सरकार के फैसले को ऐतिहासिक करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि दूसरी राज्य सरकारों को भी इसका अनुसरण करना चाहिए। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने सूचना प्रौद्योगिकी समेत विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं के लिए एक दिन के मासिक धर्म अवकाश को बृहस्पतिवार को मंजूरी दी। महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने एक बयान में कहा, ''कर्नाटक सरकार का ऐतिहासिक कदम महिलाओं के स्वास्थ्य और कार्यस्थल पर समानता के प्रति एक संवेदनशील और समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार ने लैंगिक न्याय और कार्यस्थल पर सम्मान के लिए एक सशक्त मिसाल कायम की है। उनका कहना है, ''हम देश भर की सभी अन्य राज्य सरकारों और मुख्यमंत्रियों से इसी तरह के कदम उठाने की अपील करते हैं।'' अलका ने कहा, ''हमें आशा है कि यह कदम पूरे भारत में लैंगिक समानता, स्वास्थ्य पहुंच और कार्यस्थल समावेशन पर व्यापक चर्चा के द्वार खोलेगा।''

मैसूरु में बस और ट्रक की टक्कर हो जाने से दो लोगों की मौत

मैसूरु। मैसूरु जिले में शुक्रवार सुबह एक ट्रक और बस की टक्कर हो जाने से दो लोगों की मौत हो गई जबकि 12 लोग मामूली रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना मैसूरु-मदिकेरी मार्ग पर हुनसूर तालुक के जादगनकोप्पलु के पास सुबह करीब साढ़े चार बजे हुई। हादसे में बस चालक शमशाद और उसके खलासी दिनेश की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, निजी बस मैसूरु की ओर जा रही थी जबकि सीमेंट के कट्टों से लदा ट्रक हुनसूर की ओर जा रहा था। हादसे में मामूली रूप से घायल हुए 12 यात्री को इलाज के लिए जिले के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मासिक संगोष्ठी : बेंगलूरु के आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी मंडल की अध्यक्ष कांता रायसोनी की अध्यक्षता में चामराजपेट स्थित मंजू रायसोनी के निवास पर हुई। मंजू ने सभी का स्वागत किया। संगोष्ठी का विषय दीपावाली था जिसमें त्यौहारों के बारे में अनेक बिन्दुओं पर चर्चा की। प्रसिद्ध नेल आर्टिस्ट प्रियंका ने नवीनतम डिज़ाइन और ट्रेंड्स की जानकारी तथा उनका प्रदर्शन किया। बिंदु रायसोनी ने दिवाली के अर्थ बताते हुए कहा कि 'दि' का अर्थ दीपक, जो जीवन में प्रकाश फैलाए। 'वा' का अर्थ है लक्ष्मी का रूप वरण करना, जिससे सुख और समृद्धि आए और 'ली' का अर्थ है संसार और समाज के स्वभाव में लीन हो जाना।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com